bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org

संवत 2079 युगाब्द 5124 कुल पृष्ठ –32 अंक – 21

वर्तमान

कमल ज्योति

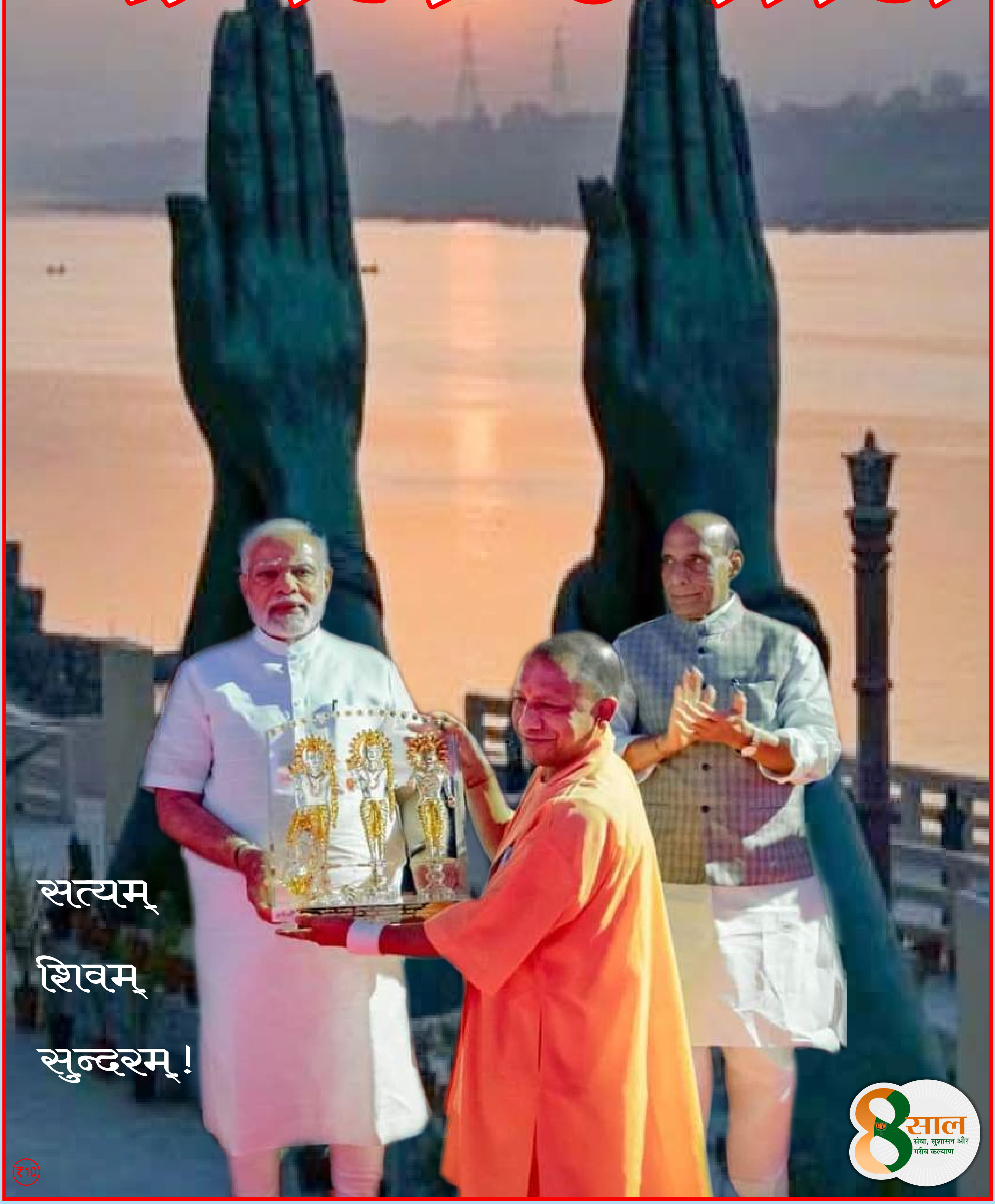

₹10

भाजपा उत्तर प्रदेश कार्यसमिति बैठक, लखनऊ

वर्तमान

कमल ज्योति

संरक्षक

श्री स्वतंत्र देव सिंह

सम्पादक

अरुण कान्त त्रिपाठी

प्रबन्ध सम्पादक

राजकुमार

प्रकाशक

प्रो0 श्याम नन्दन सिंह

पृष्ठ संयोजक

ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग

लखनऊ – 1

फोन :– 0522–2200187

फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन!

सम्पादकीय

संगठन गढ़े चलो...सुपंथ पर बढ़े चलो!

विश्व के लोग चकित है कि, किस तरह से भारत में भारतीय जनता पार्टी ने स्वयं को जन–जन की पार्टी के रूप में उभारा है। इस पर पक्ष और विपक्ष में बहुत सारी बातें की जा रही हैं। पत्र–पत्रिकाएं भाजपा की उपलब्धियों पर विशेष वार्ताएं प्रकायित कर रही हैं। विश्वभर के रिसर्च स्कॉलर आज भारतीय जनता पार्टी को लेकर पेपर प्रकाशित कर रहे हैं। प्रबंधन के छात्रों और अध्ययापकों के मध्य भाजपा गहन रिसर्च का विषय है। केवल 2019 के आम चुनावों के बाद से आज तक भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियों को दर्शाने वाली 7891 पुस्तकें भारत में प्रकाशित हुईं हैं जबकि वैश्वित स्तर पर लाखों की प्रतियों की बिक्री वाली 129 रिसर्च पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। जिसमें कई पुस्तकों ने रिकार्ड तोड़ बिक्री की है। जोकि हैं... नरेन्द्र मोदी; ए पोलिटिकल बायोग्रफी,एंडी मारियो, इंसाइड नरेन्द्र मोदी माडल आफ गवर्नेंस, उदय माहूरकर, सेफ्रन माडर्निटी इन इंडिया, रोबिन जेफ्राले मोदी; मेकिंग आफ ए प्राइममिनिस्टर, विवियन फर्नांडिस लीडिंग ए बिलियन, नरेन्द्र मोदी, चौंटल एंड्रिय वॉल्टर एंडरसन और श्रीधर डी दामले की नई किताब 'आरएसएस अ व्यू टू द इनसाइड', द ब्रदरहुड इन सेफरन दी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एंड हिंदू रिवाइवलिज्म आदि।

यदि हम इन पुस्तकों का अध्ययन करें तो हम पातें हैं कि भाजपा की इस तात्कालिक प्रवास यात्रा में उसके संगठन से संबद्ध कार्यकर्त्ता लगातार जन–जन के बीच जाता दिखता है। पार्टी के सभी बढ़े पदाधिकारी लगातार 2014 के आम चुनावों में लेकर 2022 के चुनावों तक लगातार किसी न किसी अभियान में संलग्न हैं। भारत में लिखी गईं कुछ पुस्तकों में भाजपा के कार्यकर्त्ताओं के अनूठे प्रयासों को भरपूर दिग्दर्शन होता है लेकिन विदेशी लेखकों की लिखी गईं पुस्तकें भाजपा की विकास यात्रा को बहुत नजदीक से लिखती दिखाती है। यह सच है कि, भाजपा ने 2014 के बाद से आम लोगों को पार्टी की ताकत बनाया है। गरबी किसान और महिलाओं को लेकर भाजपा ने समाज के बीच जिस तरह की क्रांति करती दिखती है वह पूरे विश्व में किसी राजनीतिक दल की ताकत नहीं है। आज केवल भाजपा का सिंबल मिलने मात्र से लोग विधायक या सांसद बन रहे है तो उसके पीछे पार्टी के वह छिपी हुई ताकत है जिसके पास बूथ स्तर पर साढ़े चार करोड़ कार्यकर्त्ताओं की परंपरागत लेकिन समर्पित टीम हैं। यह टीम सतत भाजपा की विकास यात्रा का हिस्सा है। प्रत्येक दिन भाजपा का कार्यकर्त्ता किसी न किसी अभियान का हिस्सा बनाकर अपने मतदाताओं के बीच उपस्थित रहता है। भाजपा के सांसद और विधायक भले ही अपने वोटर्स न मिलते हों लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता उनके बीच सतत उपस्थिति बनाये रखता है। अगर हम केवल उत्तर प्रदेश की बात करें तो पातें हैं कि पिछले कई वर्षो से भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्त्ता चुनाव के पूर्व और चुनाव के बाद लगातर जनता के बीच रहा है। 2022 के विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद भाजपा ने अपने समर्थको से पार्टी के लिये माइक्रों डोनेशन के लिये संपर्क किया तो उसके बाद कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण के साथ पार्टी का आधार मजबूत किया गया। केन्द्र की सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर गरीब कल्याण के लिये समर्पित सरकार की प्रयासों को लेकर भाजपा हर बूथ तक इस समय पहुंच रही है। रिपोर्ट टू नेशन के साथ प्रदेश के सभी मतदाताओं से कनेक्ट हुई तो पूरी पार्टी इस समय अपने कमजोर बूथों के सशक्ति करण के लिये गांव गली में संपर्क कर रही है। सही अर्थों में आज भाजपा अगर अपने विकास के पथ पर अग्रसर है तो उसके पीछे संगठन की ताकत और उस ताकत के लिये समर्पित कार्यकर्ता ही पार्टी का आधार बिन्दु बन रहा है।

akatri.t@gmail.com

130 करोड़ देश वासियों का परिवार,

यही सब कुछ है मेरी जिंदगी में : मोदी

केन्द्र की मोदी सरकार के आठ वर्ष पूरे हुए हैं। आजादी के बाद भारत में गरीबी हटाओ के नारे लगते रहे लेकिन वर्तमान विश्व के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधान सेवक के रूप में जब ''एकात्म मानववाद'' की प्रेरणा, लक्ष्य, प्रण के साथ जब कार्य किया तो देश एक नये भारत के रूप में दुनिया मे स्ाािपित होने लगा। इस आठ वर्ष पूर्ति के उपलब्ध में देव भूमि हिमांचल की राजधानी शिमला से मोदी जी ने देश की 130 करोड़ जनता से आर्शिवाद प्राप्त किया देशभर के किसानों की सम्मान निधि भेजी गयी इस अवसर पर देश की जनता को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ...

देश के करोड़ों–करोड़ किसानों को उनके खाते में पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा ट्रांसफर हो गया, पैसा उनको मिल भी गया, और आज मुझे शिमला की धरती से देश के 10 करोड़ से भी ज्यादा किसानों के खाते में पैसे पहुंचाने का सौभाग्य मिला है। वे किसान भी शिमला को याद करेंगे, हिमाचल को याद करेंगे, इस देवभूमि को याद करेंगे। मैं इन सभी किसान भाइयों–बहनों को हृदय से बहुत–बहुत बधाई देता हूं, अनेक–अनेक शुभकामनाएं देता हूं।

साथियों, ये कार्यक्रम शिमला में है, लेकिन एक प्रकार से ये कार्यक्रम आज पूरे हिंदुस्ताान का है। हमारी यहां चर्चा चल रही थी कि सरकार के आठ साल होने पर कैसा कार्यक्रम किया जाए, कौन सा कार्यक्रम किया जाए। तो हमारे नड्डा जी, जो हिमाचल के ही हैं, हमारे जयराम जी; उनकी तरफ से एक सुझाव आया और दोनों सुझाव मुझे बहुत अच्छे लगे। ये आठ वर्ष के निमित्तच कल मुझे कोरोनाकाल में जिन बच्चोंर ने अपने माता और पिता दोनों खो दिए, ऐसे बच्चों की जिम्मेदारी संभालने का अवसर कल मुझे मिला। देश के उन हजारों बच्चोंर का देखभाल का निर्णय सरकार ने किया, और कल उनको मैंने कुछ पैसे भी भेज दिए डिजिटली। आठ साल की पूर्ति में ऐसा कार्यक्रम होना मन को बहुत सुकून देता है, आनंद देता है और फिर मेरे सामने सुझाव आया कि हम एक कार्यक्रम हिमाचल में करें, तो मैंने आंख बंद करके हां कह दिया। क्योंकि मेरे जीवन में हिमाचल का स्था न इतना बड़ा है, इतना बड़ा है और खुशी के पल अगर हिमाचल में आ करके बिताने का मौका मिले तो फिर तो बात ही क्या बनती है जी। आज इसलिए मैंने कहा आठ साल के निमित्ते देश का ये महत्वेपूर्ण कार्यक्रम आज शिमला की धरती पर हो रहा है, जो कभी मेरी कर्मभूमि रही, मेरे लिए जो देवभूमि है, मेरे लिए जो पुण्यभूमि है। वहां पर मुझे आज देशवासियों को इस देवभूमि से बात करने का मौका मिले, ये अपने–आप में मेरे लिए खुशी अनेक गुना बढ़ा देने वाला काम है।

साथियो 130 करोड़ भारतीयों के सेवक के तौर पर काम करने का मुझे आप सबने जो अवसर दिया, मुझे जो सौभाग्य मिला है, सभी भारतीयों का जो विश्वास मुझे मिला है, अगर आज मैं कुछ कर पाता हूं, दिन–रात दौड़ पाता हूं, तो ये मत सोचिए कि मोदी करता है, ये मत सोचिए कि मोदी दौड़ता है। ये सब तो 130 करोड़ देशवासियों की कृपा से हो रहा है, आशीर्वाद से हो रहा है, उनकी बदौलत हो रहा है, उनकी ताकत से हो रहा है। परिवार के एक सदस्य के तौर पर मैंने कभी भी अपने–आपको उस पद पर देखा नहीं, कल्प ना भी नहीं की है, और आज भी नहीं कर रहा हूं कि मैं कोई प्रधानमंत्री हूं। जब फाइल पर साइन करता हूं, एक जिम्मेदारी होती है, तब तो प्रधानमंत्री के दायित्वत के रूप में मुझे काम करना होता है। लेकिन उसके बाद फाइल जैसे ही चली जाती है मैं प्रधानमंत्री नहीं रहता हूं, मैं सिर्फ और सिर्फ 130 करोड़ देशवासियों के परिवार का सदस्यी बन जाता हूं। आप ही के परिवार के सदस्य के रूप में, एक प्रधान सेवक के रूप में जहां भी रहता हूं, काम करता रहता हूं और आगे भी एक परिवार के

सदस्यर के नाते, परिवार की आशा–आकांक्षाओं से जुड़ना, 130 करोड़ देशवासियों का परिवार, यही सब कुछ है मेरी जिंदगी में। आप ही हैं सब कुछ मेरी जिंदगी में और ये जिंदगी भी आप ही के लिए है। और जब हमारी सरकार अपने आठ वर्ष पूरे कर रही है, तो आज मैं फिर से, मैं इस देवभूमि से मेरा संकल्प फिर दोहराउंगा, क्योंकि संकल्पों को बार–बार स्मरण करते रहना चाहिए, संकल्पो की कभी विस्मृरति नहीं होनी चाहिए, और मेरा संकल्प था, आज है, आगे भी रहेगा। जिस संकल्पं के लिए जिऊंगा, जिस संकल्पो के लिए जूझता रहूंगा, जिस संकल्प के लिए आप सबके साथ चलता रहूंगा, और इसलिए मेरा ये संकल्पं है भारतवासी के सम्मान के लिए, हर भारतवासी की सुरक्षा, उस हर भारतवासी की समृद्धि कैसे बढ़े, भारतवासी को सुख–शांति की जिंदगी कैसे मिले, उस एक भाव से गरीब से गरीब हो, दलित हो, पीड़ित हो, शोषित हो, वंचित हो, दूर–सुदूर जंगलों में रहने वाले लोग हों, पहाड़ी की चोटियों पर रहने वाले छुटपुट रहने वाले एकाध–दो परिवार हों, हर किसी का कल्याोण करने के लिए, जितना ज्यादा काम कर सकता हूं, उसको करता रहूं, इसी भाव को ले करके मैं आज फिर से एक बार इस देवभूमि से अपने–आपको संकल्पित करता हूं।

साथियो, हम सभी मिलकर भारत को उस ऊंचाई तक पहुंचाएंगे, जहां पहुंचने का सपना आजादी के लिए मर–मिट जाने वाले लोगों ने देखा था। आजादी के इस अमृत महोत्सव में, भारत के बहुत उज्जवल भविष्य के विश्वास के साथ, भारत की युवा शक्ति, भारत की नारीशक्ति, उस पर पूरा भरोसा रखते हुए मैं आज आपके बीच आया हूं।

साथियों, जीवन में जब हम बड़े लक्ष्यों की तरफ आगे बढ़ते हैं, तो कई बार ये देखना भी जरूरी होता है कि हम चले कहां से थे, शुरूआत कहां से की थी और जब उसको याद करते हैं तभी तो हिसाब–किताब का पता चलता है कि कहां से निकले और कहां पहुंचे, हमारी गति कैसी रही, हमारी प्रगति कैसी रही, हमारी उपलब्धियां क्या रहीं। हम अगर 2014 से पहले के दिनों को याद करें, उन दिनों को भूलना मत साथियो, तब जा करके ही आज के दिवसों का मूल्यम समझ आएगा। आज की परिस्थितियों को देखें, पता चलेगा साथियो, देश ने बहुत लंबा सफर तय किया है।

2014 से पहले अखबार की सुर्खियों में भरी रहती थी, हैडलाइन बनी रहती थी, टीवी पर चर्चा होती रहती थी। बात क्या होती थी, बात होती थी लूट और खसोट की, बात होती थी भ्रष्टाचार की, बात होती थी घोटालों की, बात होती थी भाई–भतीजावाद की, बात होती थी अफसरशाही की, बात होती थी अटकी–लटकी–भटकी योजनाओं की। लेकिन वक्त बदल चुका है, आज चर्चा होती है सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ की। सिरमौर से हमारी कोई समादेवी कह देती है कि मुझे ये लाभ मिल गया। आखिरी घर तक पहुंचने का प्रयास होता है। गरीबों के हक का पैसा सीधे उनके खातों में पहुंचने की बात होती थी, आज चर्चा होती है दुनिय में भारत के स्टार्टअप की, आज चर्चा होती है, वर्ल्ड बैंक भी चर्चा करता है भारत के Ease of Doing Business की, आज हिंदुस्ताधन के निर्दोष नागरिक चर्चा करते हैं अपराधियों पर नकेल की हमारी ताकत की, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के साथ आगे बढ़ने की।

2014 से पहले की सरकार ने भ्रष्टाचार को सिस्टम का जरूरी हिस्सा मान लिया था, तब की सरकार भ्रष्टाचार से लड़ने की बजाय उसके आगे घुटने टेक चुकी थी, तब देश देख रहा था कि योजनाओं का पैसा जरूरतमंद तक पहुंचने के पहले ही लुट जाता है। लेकिन आज चर्चा जन–धन खातों से मिलने वाले फायदों की हो रही है, जनधन–आधार और मोबाइल से बनी त्रिशक्ति की हो रही है। पहले रसोई में धुआं सहने की मजबूरी थी, आज उज्ज्वला योजना से सिलेंडर पाने की सहूलियत है। पहले खुले में शौच की बेबसी थी, आज घर में शौचालय बनवाकर सम्मान से जीने की आजादी है। पहले इलाज के लिए पैसे जुटाने की बेबसी थी, आज हर गरीब को आयुष्मान भारत का सहारा है। पहले ट्रिपल तलाक का डर था, अब अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का हौसला है।

साथियों, 2014 से पहले देश की सुरक्षा को लेकर चिंता थी, आज सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक का गर्व है, हमारी सीमा पहले से ज्यादा सुरक्षित है। पहले देश का नॉर्थ ईस्ट अपने असंतुलित विकास से, भेदभाव से आहत था, दुखी था। आज हमारा नॉर्थ ईस्ट दिल से भी जुड़ा है और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से भी जुड़ रहा है। सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण के लिए बनी हमारी योजनाओं ने लोगों के लिए सरकार के मायने ही बदल दिए हैं। अब सरकार माई–बाप नहीं है, वो वक्ता चला गया, अब सरकार सेवक है सेवक, जनता–जनार्दन की सेवक। अब सरकार जीवन में दखल देने के लिए नहीं बल्कि जीवन को

आसान बनाने के लिए काम कर रही है। बीते वर्षों में हम विकास की राजनीति को, देश की मुख्यधारा में लाए हैं। विकास की इसी आकांक्षा में लोग स्थिर सरकार चुन रहे हैं, डबल इंजन की सरकार चुन रहे हैं।

साथियों, हम लोग अक्सर सुनते हैं कि सरकारें आती हैं, जाती हैं, लेकिन सिस्टम वही रहता है। हमारी सरकार ने इस सिस्टम को ही गरीबों के लिए ज्यादा संवेदनशील बनाया, उसमें निरंतर सुधार किए। पीएम आवास योजना हो, स्कॉलरशिप देना हो या फिर पेंशन योजनाएं, टेक्नोलॉजी की मदद से हमने भ्रष्टाचार का स्कोप कम से कम कर दिया है। जिन समस्याओं को पहले Permanent मान लिया गया था, हम उसके Permanent Solution देने का प्रयास कर रहे हैं। जब सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का लक्ष्य हो, तो कैसे काम होता है, इसका एक उदाहरण है Direct Benefit Transfer स्कीम, अभी मैं जो कह रहा था, DBT के माध्यकम से, Direct Benefit Scheme के माध्यम से, 10 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खाते में सीधे 21 हज़ार करोड़ रुपए ट्रांसफर हो गए हैं। ये हमारे छोटे किसानों की सेवा के लिए हैं, उनके सम्मान की निधि हैं। बीते 8 साल में ऐसे ही DBT के जरिए हमने 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सीधे देशवासियों के अकाउंट में ट्रांसफर किए हैं और ऐसा नहीं हुआ कि 100 पैसा भेजा तो पहले 85 पैसा लापता हो जाता था। जितने पैसे भेजे, वो पूरे के पूरे सही पते पर, सही लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए हैं।

साथियों, आज इस योजना की वजह से सवा दो लाख करोड़ रुपए की लीकेज रुकी है। पहले यही सवा दो लाख करोड़ रुपए बिचौलियों के हाथों में चले जाते थे, दलालों के हाथों में चले जाते थे। इसी DBT की वजह से देश में सरकारी योजनाओं का गलत लाभ उठाने वाले 9 करोड़ से ज्यादा फर्जी नामों को हमने लिस्ट से हटाया है। आप सोचिए, फर्जी नाम कागजों में चढ़ाकर गैस सब्सिडी, बच्चों की पढ़ाई के लिए भेजी गई फीस, कुपोषण से मुक्ति के लिए भेजा गया पैसा, सब कुछ लूटने का देश में खुला खेल चल रहा था। ये क्या देश के गरीब के साथ अन्याय नहीं था, जो बच्चे उज्ज्वल भविष्य की आशा करते हैं, उन बच्चों के साथ अन्याय नहीं था, क्या ये पाप नहीं था? अगर कोरोना के समय यही 9 करोड़ फर्जी नाम कागजों में रहते तो क्या गरीब को सरकार के प्रयासों का लाभ मिल पाता क्याल?

साथियों, गरीब का जब रोजमर्रा का संघर्ष कम होता है, जब वो सशक्त होता है, तब वो अपनी गरीबी दूर करने के लिए नई ऊर्जा के साथ जुट जाता है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार पहले दिन से गरीब को सशक्त करने में जुटी है। हमने उसके जीवन की एक–एक चिंता को कम करने का प्रयास किया है। आज देश के 3 करोड़ गरीबों के पास उनके पक्के और नए घर भी, जहां आज वो रहने लगे हैं। आज देश के 50 करोड़ से ज्यादा गरीबों के पास 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है। आज देश के 25 करोड़ से अधिक गरीबों के पास 2–2 लाख रुपए का एक्सीडेंट इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस है, बीमा है। आज देश के लगभग 45 करोड़ गरीबों के पास जनधन बैंक खाता है। मैं आज बहुत गर्व से कह सकता हूं कि देश में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जो सरकार की किसी न किसी योजना से जुड़ा न हो, योजना उसे लाभ न देती हो। हमने दूर–सुदूर पहुंचकर लोगों को वैक्सीन लगाई है, देश करीब 200 करोड़ वैक्सीन डोज के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है और मैं जयराम जी को बधाई दूंगा, कोरोना काल में जिस प्रकार से उनकी सरकार ने काम किया है, और उन्होंने ये टूरिस्टब डेस्टिनेशन होने के कारण टूरिज्मो के लिए तकलीफ न हो, इसलिए उन्होंने वैक्सी नेशन को इतना तेजी से चलाया, हिंदुस्तान में सबसे पहले वैक्सीरनेशन का काम पूरा करने वालों में जयराम जी की सरकार अग्रिम पंक्ति में रही। साथियो, हमने गांव में रहने वाले 6 करोड़ परिवारों को साफ पानी के कनेक्शन से जोड़ा है, नल से जल।

साथियो, हमने 35 करोड़ मुद्रा लोन देकर गांवों और छोटे शहरों में करोड़ों युवाओं को स्वरोजगार का अवसर दिया है। मुद्रा लोन लेकर कोई टैक्सी चला रहा है, कोई टेलरिंग की दुकान खोल रहा है, कोई बिटिया अपना स्वयं का कारोबार शुरू कर रही है। रेहड़ी–ठेले–पटरी पर काम करने वाले लगभग 35 लाख साथियों को भी पहली बार बैंकों से ऋण मिला है, अपने काम को बढ़ाने का रास्ता मिला है और जो प्रधानमंत्री मुद्रा योजना है ना, मेरे लिए संतोष की बात है। उसमें 70 प्रतिशत, बैंक से पैसा प्राप्ती करने वालों में 70 प्रतिशत हमारी माताएं–बहनें हैं जो entrepreneur बन करके आज लोगों को रोजगार दे रही हैं।

साथियों, यहां हिमाचल प्रदेश के तो हर घर से, शायद ही कोई परिवार ऐसा होगा जिस परिवार से कोई सैनिक न निकला हो। ये वीरों की भूमि है जी। ये वीर माताओं की भूमि है जो अपनी गोद से वीरों को जन्म देती हैं। जो वीर मातृभूमि की रक्षा के लिए चौबीसों घंटे अपने–आपको खपाते रहते हैं।

साथियो, ये सैनिकों की भूमि है, ये सैन्य परिवारों की भूमि है। यहां के लोग कभी भूल नहीं सकते कि पहले की सरकारों ने उनके साथ किस तरह का बर्ताव किया, वन–रैंक वन–पेंशन के नाम पर कैसे उन्हें धोखा दिया। अभी हम लद्दाख के एक पूर्व सैनिक से बात कर रहे थे। उन्होंने जीवन सेना में बिताया था, उनको पक्का घर हमारे आने के बाद मिल रहा है साथियों। उनको निवृत्ति हुए भी 30–40 साल हो गए।

साथियो, सैन्य परिवार हमारी संवेदन शीलता को भली प्रकार समझता है। ये हमारी ही सरकार है जिसने चार दशकों के इंतजार के बाद वन–रैंक वन–पेंशन को लागू किया, हमारे पूर्व सैनिकों को एरियर का पैसा दिया। इसका बहुत बड़ा लाभ हिमाचल के हर परिवार को हुआ है।

साथियों, हमारे देश में दशकों तक वोटबैंक की राजनीति हुई है। अपना–अपना वोटबैंक बनाने की राजनीति ने देश का बहुत नुकसान किया है। हम वोटबैंक बनाने के लिए नहीं, हम नए भारत को बनाने के लिए काम कर रहे हैं। जब ध्येय राष्ट्र के नवनिर्माण का हो, जब लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत का हो, जब इरादा 130 करोड़ देशवासियों की सेवा और उनका कल्याण करने का हो तो वोटबैंक नहीं बनाए जाते, सभी देशवासियों का विश्वास जीता जाता है। इसलिए हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ सबको मिले, हर गरीब को मिले, कोई गरीब छूटे नहीं, अब यही सरकार की सोच है और इसी अप्रोच से हम काम कर रहे हैं। हमने शत प्रतिशत लाभ, शत प्रतिशत लाभार्थी तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है, लाभार्थियों के सैचुरेशन का प्रण लिया है। शत प्रतिशत सशक्तिकरण यानि भेदभाव खत्म, सिफारिशें खत्म, तुष्टिकरण खत्म। शत प्रतिशत सशक्तिकरण यानि हर गरीब को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ। मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि जयराम जी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहा है। हर घर जल योजना में भी हिमाचल 90 प्रतिशत घरों को कवर कर चुका है। किन्नौर, लाहौल–स्पिति, चंबा, हमीरपुर जैसे जिलों में तो शत प्रतिशत कवरेज हासिल की जा चुकी है।

साथियों, मुझे याद है, 2014 से पहले जब मैं आपके बीच आता था तो कहता था कि भारत दुनिया से आंख झुकाकर नहीं, आंख मिलाकर बात करेगा। आज भारत, मजबूरी में दोस्ती का हाथ नहीं बढ़ाता है, और जब मजबूरी में दोस्तीं का हाथ बढ़ता है ना तो ऐसे बढ़ाता है, बल्कि मदद करने के लिए हाथ बढ़ाता है और हाथ ऐसे करके ले जाता है। कोरोना काल में भी हमने 150 से ज्यादा देशों को दवाइयां भेजी हैं, वैक्सीन भेजी हैं। और इसमें हिमाचल प्रदेश के फार्मा हब– बद्दी की भी बड़ी भूमिका रही है। भारत ने सिद्ध किया है कि हमारे पास Potential भी है और हम Performer भी हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं कि भारत में गरीबी कम हो रही है, लोगों के पास सुविधाएं बढ़ रही हैं। इसलिए अब भारत को सिर्फ अपने लोगों की आवश्यकताएं ही पूरी नहीं करनी हैं बल्कि लोगों की जागी हुई आकांक्षाओं को भी हमें पूरा करना है। हमें 21वीं सदी के बुलंद भारत के लिए, आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने–आपको खपाना है। एक ऐसा भारत जिसकी पहचान अभाव नहीं बल्कि आधुनिकता हो। एक ऐसा भारत जिसमें लोकल manufacturer, लोकल डिमांड को भी पूरा करे और दुनिया के बाजारों में भी अपना सामान बेचे। एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर हो, जो अपने लोकल के लिए वोकल हो, जिसे अपने स्थानीय उत्पादों पर गर्व हो।

हमारे हिमाचल का तो हस्तशिल्प, यहां की वास्तुकला, वैसे ही इतनी मशहूर है। चंबा का मेटल वर्क, सोलन की पाइन आर्ट, कांगड़ा की मिनिएचर पेंटिंग्स के लोग, और इसे देखने आएं तो टूरिस्ट लोग दीवाने हो जाते हैं। ऐसे उत्पाद, देश के कोने–कोने में पहुंचें, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की रौनक बढ़ाएं इसके लिए हम काम कर रहे हैं।

वैसे भाइयों और बहनों, हिमाचल के स्थानीय उत्पादों की चमक तो अब काशी में बाबा विश्वनाथ के मंदिर तक पहुंच गई है। कुल्लू में बनीं, हमारी माताएं–बहने बनाती हैं, कुल्लू में बनी पहलें सर्दी के मौसम में काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों और सुरक्षा कर्मियों की मददगार बन रही हैं। बनारस का सांसद होने के नाते मैं इस उपहार के लिए हिमाचल प्रदेश के लोगों का विशेष आभार व्यक्त करता हूं।

साथियों, बीते 8 वर्षों के प्रयासों के जो नतीजे मिले हैं, उनसे मैं बहुत विश्वास से भरा हुआ हूं, आत्म विश्वोस से भरा हुआ हूं। हम भारतवासियों के सामर्थ्य के आगे कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। आज भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश हो रहा है, आज भारत रिकॉर्ड एक्सपोर्ट कर रहा है। 8 साल पहले स्टार्ट अप्स के मामले में हम कहीं नहीं थे, आज हम दुनिया के तीसरे बड़े स्टार्ट अप इकोसिस्टम हैं, तीसरे बड़े। करीब–करीब हर हफ्ते हज़ारों करोड़ रुपए की कंपनी हमारे युवा तैयार कर रहे हैं। आने वाले 25 साल के विराट संकल्पों की सिद्धि के लिए देश नई अर्थव्यवस्था के नए इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण भी तेजी से कर रहा है। हम एक दूसरे को सपोर्ट करने वाली मल्टीमोडल कनेक्टिविटी पर फोकस कर रहे हैं। इस बजट में हमने जो पर्वतमाला योजना की घोषणा की है, वो हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेश में कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगी। इतना ही नहीं, हमने वाइब्रंट बॉर्डर विलेज, इसकी जो योजना बजट में रखी है, उसके कारण सीमा पर बसे हुए जो गांव हैं, ये गांव वाइब्रंट बने, टूरिस्टत डेस्टिनेशन बनें, एक्टिविटी के सेंटर बनें। सीमा पर सटे हुए गांव, उनके विकास के लिए भारत सरकार ने एक विशेष योजना बनाई है। ये वाइब्रंट बॉर्डर विलेज की योजना का लाभ मेरे हिमाचल के सीमावर्ती गांवों को स्वासभाविक रूप से मिलने वाला है।

साथियों, आज जब हम दुनिया का सर्वश्रेष्ठ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर फोकस कर रहे हैं। हम देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण पर काम कर रहे हैं। आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत जिला और ब्लॉक स्तर पर क्रिटिकल हेल्थ केयर सुविधाएं हम तैयार कर रहे हैं। हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज हो, इस दिशा में काम चल रहा है। और इतना ही नहीं, गरीब मां का बेटा–बेटी भी अब डॉक्टार बनने का सपना पूरा कर सकता है। पहले तो हाल ये था कि अगर उसको स्कूली शिक्षा अंग्रेजी में नहीं हुई तो डॉक्टमर होने के सपने अधूरे रह जाते थे। अब हमने तय किया है मेडिकल और टैक्नीरकल एजुकेशन हम मातृभाषा में करने को प्रमोट करेंगे ताकि गरीब से गरीब का बच्चा, गांव का बच्चा भी डॉक्टार बन सके और इसलिए उसे अंग्रेजी का गुलाम होने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

साथियो, देश में एम्स जैसे बेहतरीन संस्थानों का दायरा देश के दूर–सुदूर के राज्यों तक बढ़ाया जा रहा है। बिलासपुर में बन रहा एम्स इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। अब हिमाचल वासियों को चंडीगढ़ या दिल्ली जाने की मजबूरी नहीं रहेगी।

साथियों, ये सारे प्रयास हिमाचल प्रदेश के विकास को भी गति देने का काम कर रहे हैं। जब अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, रोड कनेक्टिविटी, इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ती है, स्वास्थ्य सेवाएं सुधरती हैं, तो ये टूरिज्म को भी बढ़ाता है। भारत अपने यहां जिस तरह ड्रोन की मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ा रहा है, ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा रहा है, उससे हमारे दूर–दराज के जो क्षेत्र हैं, हिंदुस्ताटन के दूर–दराज के जो भी इलाके हैं, चाहे पहाड़ी हों, जंगल के इलाके हों, जैसे हिमाचल के भी दूर–दराज के इलाके हैं, वहां पर इन ड्रोन सेवाओं का बहुत बड़ा लाभ मिलने वाला है।

भाइयों और बहनों, बीते आठ वर्षों में आज़ादी के 100वें वर्ष के लिए यानि 2047 के लिए मज़बूत आधार तैयार हुआ है। इस अमृतकाल में सिद्धियों के लिए एक ही मंत्र है– सबका प्रयास। सब जुड़ें, सब जुटें और सब बढ़ें– इसी भाव के साथ हमें काम करना है। कितनी सदियों के बाद, और कितनी पीढ़ियों के बाद ये सौभाग्य हमें मिला है, हमारी आपकी पीढ़ी को मिला है। इसलिए आइये, हम संकल्प लें, हम सब 'हम सबका प्रयास' के इस आह्वान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे, अपना हर कर्तव्य निभाएंगे।

इसी विश्वास के साथ, आज जो हिमाचल ने आशीर्वाद दिए हैं और देश के हर ब्लॉक में आज इस कार्यक्रम से लोग जुड़े हुए हैं। आज पूरा हिंदुस्ताणन शिमला से जुड़ा हुआ है। करोड़ों–करोड़ों लोग आज जुड़े हुए हैं और आज मैं आज शिमला की धरती से उन करोड़ों देशवासियों से बात कर रहा हूं। मैं उन करोड़ों–करोड़ों देशवासियों को अनेक–अनेक शुभकामनाएं देता हूं और आपके आशीर्वाद बने रहें, हम और ज्यारदा काम करते रहें, दिन–रात काम करते रहें, जी–जान से जुटे रहें। प्रधानमंत्री जी का उद्‌बोधन देश के आमजन को अपने में समेटने, सहेजने नये भारत यात्रा शामिल करने का आत्म निर्भर, स्वाभिमानी समाज बनाने सामुहिक संकल्प था जो भारत माता की जय की प्रेरणा जगा गया। इसी एक भावना को आगे लेते हुए आप सबके आशीर्वाद के साथ मैं फिर एक बार आप सबका ह्रदय से धन्यवाद करता हूं।

कार्यकर्ताओं के सतत् परिश्रम से पार्टी गाँव, गली, तक पहुंची : स्वतंत्रदेव

'भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह द्वारा रविवार को अटल बिहारी वाजपई साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में अध्यक्षीय भाशण में कहा कि–

16 जुलाई 2021 को हम सभी जब एक साल पूर्व मिले थे, तब विधानसभा चुनाव की आहट हमारे आंगन में गूंज रही थी। उस समय भाजपा ने पंचायत चुनावों में शानदार विजयश्री का वरण किया था।

आज हम सभी जब पुनः मिल रहे हैं, तब हम तमाम चुनौतियों के बीच उत्तर प्रदेश में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार के कार्यो के आधार पर दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब होकर यहां बैठे हैं।

इस शानदार जीत के हकदार भाजपा संगठन के तमाम देवतुल्य कार्यकर्ता हैं जिनके अथक परिश्रम से भाजपा को विजयश्री मिली हैं। अब हमारी नव–निर्वाचित सरकार अपने नये बजट के साथ लोक कल्याण संकल्प पत्र को गीता की तरह पूज्य मानकर गांव–गांव विकास की नई धारा बहाने को तैयार हैं।

अध्यक्षीय भाषण

उत्तर प्रदेश की सम्मानित जनता को आज इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी को पुनः सेवा का अवसर देने के लिये प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मैं धन्यवाद देता हूं।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं आदरणीय योगी जी के संकल्प समर्पण से उत्तर प्रदेश विधासभा चुनाव में जो ऐतिहासिक विजय भारतीय जनता पार्टी को मिली है इसके लिए हमें संगठन सूत्र के साथ संगठन सूत्रधार का अभिवादन किये बिना हमारा यह समागम अधूरा रह जायेगा ।

इस विजय अभियान में गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी एल संतोष जी, प्रदेश के प्रभारी आदरणीय श्री राधा मोहन सिंह जी, प्रदेश चुनाव प्रभारी श्री धर्मेन्द्र प्रधान सहित सभी सम्मानित सहप्रभारीगणों व केंद्र के वरिष्ठ नेताओं एवं माननीय मंत्रियों की भूमिका के लिए मैं अध्यक्ष के नाते प्रदेश इकाई की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ। ऐतिहासिक जनादेश प्राप्ति के इस महाभियान में प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल जी, सहित सभी सम्मानित प्रदेश, क्षेत्र एवं जिले के पदाधिकारीगण जिनके परिश्रम की पराकाष्ठा से भाजपा ने उत्तर प्रदेश में इतिहास रचा है, मैं उनका भी हृदय से अभिनन्दन करता हूँ ।

हमारी यह सफलता हम सबकी सम्मिलित सफलता है। यह इस बात का प्रमाण है कि, उत्तर प्रदेश की सरकार को माननीय नरेन्द्र मोदी जी एवं योगी आदित्यनाथ जी को जन–जन का आशीर्वाद प्राप्त है।

इसके लिए मैं प्रदेश के अपने करोड़ों देवतुल्य कार्यकर्ताओं को अथक परिश्रम के लिए उनको प्रणाम करता हूँ।

मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि...

जो सपना हमने देखा था शैशव में भोले नयनों में।

स्वर्णिम इतिहास उमंग भरा चित्रित था, मन में, वचनों में।

यह देश बनायेंगे ऐसा, जिसमें स्वतंत्रता खिलती हो।

चिर शांति सुमति उन्नति, सरिता पग–पग पर आकर मिलती हो।

पग –पग पर पुनः प्रयाग बने, काशी–मथुरा कानन बरसाना।

युग युग से स्वप्न संजोये, जो हमको पूरे कर दिखलाना कानन में विकसाना।

''भारत की स्वर्णिम विकासयात्रा में उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन काल में सनातन संस्कृति के

प्रदेश कार्य समिति बैठक

स्वर्णकाल के सृजन की यह धरा है। यह विश्व के आराध्य देव महादेव और राम–कृष्ण की धरा है। यह वह प्रदेश है जहां गंगा की धारा अविरल प्रवाहित होती है। मां गोमती की गोद में इस प्रदेश की राजधानी लखनऊ जन–जन के रक्त में राजनीतिक विचारधारा को पोषने वाली इस धरा से भाजपा के शिखर पुरुष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का मान–सम्मान बढ़ाया।

अविनाशी धरा काशी से स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी संपूर्ण विश्व को आलोकित कर रहे हैं। राजधानी से आदरणीय राजनाथ सिंह जी रक्षामंत्री के रूप में देश की सीमाओं की रक्षा का दायित्व निभा रहे हैं। मेरे कहने का तात्पर्य मात्र इतना है कि, उत्तर प्रदेश भाजपा का राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते हम सभी को अपने इस सौभाग्य पर गर्व है।

''आज भाजपा के केन्द्रिय नेतृत्व ने जिस तरह से करोड़ों कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में पिरोते हुए अपनी संगठनात्मक नीतियों से देशभर में भाजपा को सशक्त किया है। वह विश्व के किसी देश के इतिहास में देखने, पढ़ने और सुनने को नहीं मिलेगा।

कार्यकर्ताओं के सतत परिश्रम से भाजपा हर घर, हर गली, हर गांव हर गली, हर व्यक्ति के मन तक पहुंच बनाने में सफल रही है। माननीय मोदी जी की सरकार के सफलतम् 8 वर्ष भी कल पूर्ण हो रहे हैं। इन आठ वर्षों में भाजपा सरकार ने प्रदेश के हर व्यक्ति के सरोकारी विकास को विस्तार दिया है।

इसका पूरा श्रेय भारतीय जनता पार्टी के संगठन, शक्ति, संकल्प और निरंतर प्रयत्नशीलता को जाता है।

हमारी विचारधारा के पितृपुरुष तथा हमारे पथप्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था–"मानव शरीर के सभी अंग जिस प्रकार स्वाभाविक रूप से क्रियाशील रहते हैं, उसी प्रकार राष्ट्र के विभिन्न घटक भी राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं।"

प्रदेश में बिना रुके बिना थके हमारे कर्मठ कार्यकर्ता दिन–रात परिश्रम करते रहे। आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर हमने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम तथा अभियान चलाये।

''100 दिन 100 कार्य योजना को पार्टी ने क्रियान्वित किया। जिसका परिणाम रहा कि, भाजपा ने न केवल विधानसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया, बल्कि विधान परिषद चुनावों में हमने पूर्ण सफलता अर्जित करते हुये पहली बार विधान परिषद में बहुमत पाया है।

जीत के ध्येय के साथ हमने सभी मोर्चों, जातियों, वर्गों, श्रेणियों बुनकर–महिला, व्यवसायी, सहकारिता, चिकित्सा, विधि, एनजीओ, व्यापारिक संगठन, किसानों, धार्मिक संगठनों, अल्पसंख्यकों, युवाओं, मीडिया स्तर पर कार्यकर्ताओं के सम्मेलन, शिक्षण संस्थाओं तथा प्रबुद्ध जनों के सम्मेलन आयोजित किये और सभी को अपनी विचारधारा से अवगत कराया।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी के मार्गदर्शन और आदरणीय योगी जी के यशस्वी नेतृत्व में हमने विधान सभा चुनाव में इतिहास तो रचा ही है, तमाम मिथकों व भ्रमों को भी तोड़ा है।

''इससे हमने प्रदेश ही नहीं, देश की राजनीति को नई दिशा दी है। जिसमें उत्तर प्रदेश में 37 वर्षों बाद किसी दल की दोबारा सरकार में वापसी हुई है।

''यह ऐतिहासिक विजय, यह अभूतपूर्व विजय वंशवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की शोषणकारी राजनीति पर राष्ट्रवाद और लोकतांत्रिक राजनीति की विजय है।

''यह युगांतकारी परिवर्तन हमारे निर्णायक नेतृत्व, अद्वितीय संगठन शक्ति और देवतुल्य कार्यकर्ताओं के तप, त्याग, संकल्प, समर्पण का ही अमृत परिणाम है।

इस विजय पताका ने हमें आत्म गौरव दिया है। राष्ट्र गौरव वापसी का अमृत दिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की कल्याणकारी नीति को प्रमाणिकता दी है।

यह यात्रा अटल–अविरल रहे, इस संकल्प के साथ हमें संगठन शक्ति को आगे भी सशक्त करना है। श्रद्धेय अटल जी के वे शब्द मुझे याद हैं।

उजियारे में, अंधकार में,
कल कहार में, बीच धार में,
घोर घृणा में, पूत प्यार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,
जीवन के शत–शत आकर्षक,
अरमानों को ढलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा..
कदम मिलाकर चलना होगा।

''हमने अपने कदम मिलाये, बढ़ाये और विजय की ओर उन्मुख हो गये। आज परिणाम दुनिया के सामने है। आज कनाडा से जब मां अन्नपूर्णा जी की मूर्ति लाई जाती है, कोसों की पावन यात्रा के बाद काशी में प्राण प्रतिष्ठा की जाती है तब जन–जन का मन जिस तरह से आनंदित होता है। इसको हमने देखा है। मित्रों, यह देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का काल है और इसके प्रणेता हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी हैं।

प्रदेश कार्य समिति बैठक

कमजोर बूथों पर मजबूत करेंः सुनील

श्री सुनील बंसल जी ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों व अभियानों के बारे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 8 वर्ष 30 मई 2022 को पूरे हो रहे है। पार्टी 30 मई से 15 जून 2022 तक पूरे प्रदेश में 8 साल 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के कार्यक्रम आयोजित करेगी।

रिपोर्ट टू नेशन अभियान के अन्तर्गत 1 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मोदी सरकार की आठ वर्ष की उपलब्धियों के बारे बताएंगे। जबकि 2 और 3 जून को जिलों में सांसद, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, मंत्री और विधायक आठ वर्ष के शासन की उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन करेंगे। इसके बाद संगठन द्वारा बूथ स्तर पर संपर्क के कार्यक्रम होंगे।

प्रदेश महामंत्री संगठन ने बताया कि 75 घंटे बूथ पर अभियान 4 से 14 जून तक चलेगा। अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है। कार्यक्रम में सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों सहित प्रदेश, क्षेत्र व जिला व मंडल स्तर तक के पदाधिकारी इस अभियान में जुड़ेंगे। इसके तहत शक्ति केंद्र के बूथों पर संपर्क, बैठक, पत्रक वितरण करना है। इसके अलावा समाज के अलग अलग वर्गों किसानों, महिलाओं, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, गरीब, कोविड टीकाकरण अभियान के वालंटियर्स व लाभार्थियों के साथ सम्पर्क संवाद करना है। उन्होंने बताया कि 10 जून के बाद केंद्रीय मंत्रियों के जिलों में प्रवास कर आठ वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देंगे।

श्री बंसल ने बताया कि 3 जून से 14 जून के बीच जिला स्तर पर गरीब कल्याण पर केंद्रित जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। जिसमें केंद्रीय मंत्री, प्रदेश सरकार के मंत्री सम्मिलित रहेंगे। उन्होंने बताया कि 21 जून को विश्व योग दिवस पर 25 हजार स्थानों पर योग के कार्यक्रम किए जायेंगे। इससे पहले योग जागरूकता संबंधी अभियान चलाकर लोगों को कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दिया जाएगा। हर कार्यक्रम में अधिकाधिक लोंगो की भागीदारी सुनिश्चित दी जाएगी।

श्री बंसल ने बूथ सशक्तिकरण अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में जिन बूथों पर पार्टी की स्थिति कमजोर है ऐसे पर पार्टी कैसे मजबूत हो, लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत इन पर कार्य करना है। सभी 80 लोकसभा सीटों, 403 विधानसभा क्षेत्रों ने पार्टी के कमजोर बूथों पर चलाया जाएगा। इसके तहत विधायकों को 25 और सांसदों को 100 बूथ आवंटित किए जायेंगे। इसके लिए प्रदेश, क्षेत्र, जिला, विधानसभा स्तर पर टोली बनाकर अभियान को गति देना है। जिलास्तर पर इस अभियान में कुल 80 से 100 लोगों की टोली रहेगी। 15 से 30 जून के बीच सांसदों को 100 बूथ और विधायकों को 25 बूथों पर एक लोकसभा क्षेत्र में कुल 175 बूथों पर जाकर लोगों से संपर्क करना है। जुलाई में दोबारा फिर से इन्हीं बूथों पर संपर्क के लिए जाना है। साथ ही केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के लाभार्थियों से भी संपर्क करना है। उन्हें भाजपा से जोड़ने का महाअभियान भी चलाया जाएगा।

पिछले पृष्ठ का शेष

''हमें पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जैसी विभूतियों की प्रेरणा तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय जे.पी. नड्डा जी का नेतृत्व एवं प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी की पूर्ण पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रणाली एवं हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्वच्छ छवि तथा करोड़ों कार्यकर्ताओं के परिश्रम की पराकाष्ठा और बूथ–बूथ संगठन के सशक्त ढांचे एवं सरोकारी राजनीति के बदौलत 2024 में पुनः एक बार प्रचंड जनादेश के लिये मिलकर कार्य करना है। अपने अभियानों को गतिशील बनाना है।

'अब मेरा मानना है कि, समावेशी राजनीति की जिस सीढ़ी पर प्रदेश की भाजपा ने चढ़ना आरंभ किया है। वह रूकना नहीं चाहिये। हमको इस पथ पर निरंतर चलते रहना है। बिना थके, बिना रूके, अवरोधों को ढकेलते हुये। हम रहे न रहे, लेकिन यह मशाल जो हमने मिलकर जलाई है.. वह निरंतर प्रज्ज्वलित रखनी है। इस अबाध यात्रा में मुझसे भी कुछ गलतियां हुईं होंगी। मैंने भी गुस्सा जताया होगा। किसी का मन दुखा होगा तो कोई कुछ न मिलने से दुखी होगा। लेकिन हम सब एक ध्येय के लिये कार्यरत हैं। यह ध्येय पूज्य है। इसी के सहारे हमें हर समय गतिमान रहना है।

इसलिये, अपनी आस्था, विश्वास और पुरूषार्थ से उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाते हुए भारत माता की समृद्दि और सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए उसकी प्रसिद्धि में वृद्धि करने के लिए पूरी क्षमता से हम फिर एकजुट होकर जुटेंगे।

इसी विश्वास के साथ आप सभी का बहुत–बहुत आभार।

भारत माता की जय। वंदे मातरम्। जय श्रीराम।

भारत एक नया भारत बनने की ओर अग्रसर - योगी'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्य समिति बैठक में उद्‌घाटन अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को याद करते हुए कहा कि अटल जी ने ठीक कहा था, यह कार्य समिति उस विश्वास के साथ आगे बढ़ेगी। इसके लिए हमें केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को लेकर घर–घर, गांव–गांव जाना पड़ेगा। एक–एक व्यक्ति को अपने साथ जोड़ना पड़ेगा। विराटता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अग्रसर होना पड़ेगा। एक साथ मिलकर चलना पड़ेगा। इसके लिए हम सबका संकल्प होना चाहिए, जो अटल जी ने हमें दिया था, 'छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता'। इस संकल्प को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों में हम बदलते हुए भारत की इस तस्वीर को देख रहे हैं। हमने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए देखा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि 2024 के रोड मैप के साथ अगले 15 दिन का कार्यक्रम आठ वर्ष के कार्यक्रमों को लेकर आगे बढ़ेगा, उसे पूरा करने में हम सफल होंगे। आप सबके प्रति कदम से कदम मिलाकर पूरी सरकार आपके साथ खड़ी होगी।

योगी जी ने कहा कि जब सरकार और संगठन योजनाओं को लेकर लेकर प्रत्येक नागरिक तक पहुंचा, तो उसका परिणाम रहा कि जनता ने विपक्ष के तमाम दुष्प्रचार और षड्यंत्रों को दरकिनार करते हुए, तमाम गठबंधन और महागठबंधन को दरकिनार करते हुए प्रदेश में फिर से भाजपा के नेतृत्व पर विश्वास करते हुए दो तिहाई से अधिक जनादेश देकर विपक्ष के उन सभी षडयंत्रों को धूल धूसरित करने का कार्य किया। जो सपने पाले हुए थे कि हम लोग प्रदेश में अगर इस प्रकार का षडयंत्र करेंगे, तो इससे एक प्रकार की तस्वीर बन जाएगी और उसके माध्यम से हम खंडित जनादेश के माध्यम से अपने लूटतंत्र को आगे बढ़ाएंगे, वह पूरी तरह बेनकाब हो चुका है।

'काशी के साथ सभी तीर्थ एक बार फिर से नई अंगड़ाई लेते हुए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे–योगी'

उन्होंने कहा कि पिछली कार्य समिति के बाद आपने काशी में काशी विश्वनाथ धाम के भव्य उद्‌घाटन को भी देखा है। अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद अब काशी ने जो अंगड़ाई ली है, वह हमारे सामने है। रोज एक लाख श्रद्धालु काशी दर्शन के लिए आ रहे हैं। काशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप अपने नाम को सार्थक कर रहा है। मथुरा, वृंदावन, विंध्यवासिनी धाम, नैमिष धाम, शुक तीर्थ सहित सभी तीर्थ एक बार फिर से नई अंगड़ाई लेते हुए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन स्थितियों में हम सबको आगे बढ़ना होगा।

'पीएम के नेतृत्व में एक नया विश्वास भारत के 135 करोड़ की आबादी के मन में–योगी'

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा ने तमाम मिथकों, षडयंत्रों को धूल धूसरित करते हुए 37 वर्ष के बाद फिर से प्रदेश में सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की है। हम सब ऐसे अवसर पर एकत्र हो रहे हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नए भारत के निर्माण के लिए भाजपा नेतृत्व की सरकार पूरी मजबूती से आगे बढ़ चुकी है। कल 30 मई को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार का केंद्र में आठ वर्ष का कार्यकाल पूरा होगा। इन आठ वर्षों में देश एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ा है। एक नया विश्वास भारत के 135 करोड़ की आबादी के मन में देखने को मिला है। भारत एक नया भारत बनने की ओर अग्रसर है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना हमें बहुत स्पष्ट दिखाई देती है और जीवन के हर क्षेत्र में पिछले आठ वर्षों में पीएम के नेतृत्व में हुई प्रगति अभूतपूर्व और अभिनंदनीय है। यह इस नए भारत को दुनिया के नेतृत्व के रूप में हम प्रस्तुत करते हुए देख रहे हैं। यह हमारे लिए गौरव का क्षण है।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने अपना नया बजट प्रस्तुत किया है। हम लोक कल्याण संकल्प पत्र के आधार पर जनता की अदालत में गए थे। 130 संकल्पों के साथ हम आगे बढ़े थे। पहले ही बजट में 97 संकल्पों को पूरा करने के साथ सरकार 54

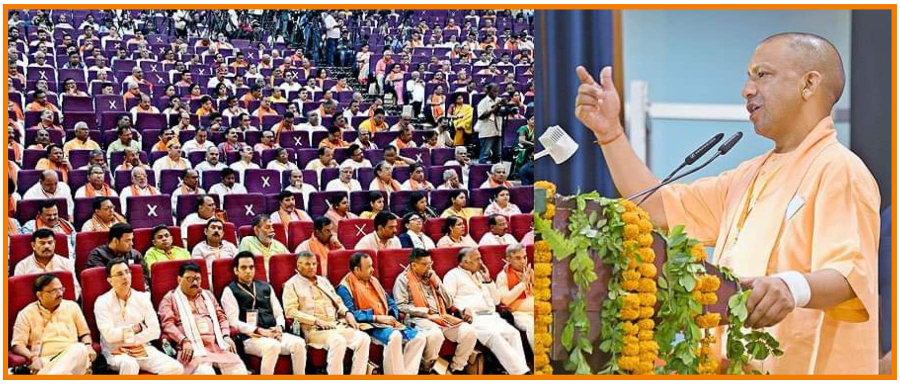

हजार करोड़ से अधिक की राशि का बजट में प्रावधान कर चुकी है। इन संकल्पों को बिना कोई विकल्प दिए, अक्षरशरू पूरा करेंगे। हर परिवार के एक नौजवान को नौकरी, रोजगार या स्वतरू रोजगार से जोड़ने के लिए परिवार कार्ड की प्रक्रिया कैसे बननी है। हर परिवार के पास अपना एक स्पेशल कार्ड हो, उस कार्ड के माध्यम से केंद्र और प्रदेश की मिलने वाली योजनाओं के लाभ के साथ उन्हें कौन सा रोजगार या नौकरी मिली है। इस प्रक्रिया को भी हम तकनीकी के माध्यम से जोड़ने के लिए सरकार ने अपना कार्यक्रम शुरू कर दिया है।

'वर्ष 1947 में नेशनल ऐवरेज के बराबर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय थी–सीएम'

सीएम ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा देने का बेहतर प्रयास हुआ है। वर्ष 1947 में नेशनल ऐवरेज के बराबर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय थी, लेकिन धीरे–धीरे राजनीतिक संक्रमण का ऐसा दौर देखने को मिला, जिसने नौजवानों को पलायन करने के लिए मजबूर किया। गरीबी आने लगी, किसान आत्महत्या करने लगे, दंगों की श्रृंखला शुरू हुई, लेकिन हमें पिछले पांच वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय को दुगुने करने में सफलता मिली। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश 14वें से दूसरे नंबर पर आया है। यह पीएम के विजन को जमीनी धरातल पर उतरता हुआ दिखाई देता है। आज उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त उत्तर प्रदेश है।

'नए भारत का नया उत्तर प्रदेश तैयार है – योगी'

उन्होंने कहा कि नई सरकार में रामनवमी और हनुमान जयंति का कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है। रमजान के महीने में अलविदा के दिन सड़कों पर नमाज न होना पहली बार संभव हो पाया है। नमाज के लिए स्थान निर्धारित है, वहीं पर धार्मिक कार्यक्रम हो पाएंगे। सड़कों पर नहीं होंगे। 70 हजार से अधिक माइक धर्म स्थलों से उतरना और 60 हजार से अधिक माइक के आवाज अपने आप परिसर तक सीमित स्वतरू स्फूर्त भाव से हुए हैं। इस विश्वास को आगे बढ़ाने के लिए नए भारत का नया उत्तर प्रदेश तैयार है, जो एक मजबूती के साथ अपनी नई पहचान के लिए प्रस्तुत है।

गरीब कल्याण बेहतर कानून व्यवस्था : राधा मोहन

प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि दुनिया के चप्पे–चप्पे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और देश के चप्पे–चप्पे में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नाम का डंका बज रहा है। अभी जापान में क्वाड की बैठक में मोदी जी के नेतृत्व को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। यूपी में सुशासन, गरीब कल्याण और बेहतर कानून व्यवस्था से प्रदेश में लोग सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जिसके लिए योगी जी की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। जनता ने दोबारा हमें सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के एजेंडे पर काम करने के लिए अपना आशीर्वाद दिया है। इसके पीछे हमारे देवतुल्य कार्यकर्ताओं की टीम को कोटि–कोटि धन्यवाद और आभार करना ही चाहिए। उन्होंने अटल जी की कविता ''हम पड़ाव को समझे मंजिल, लक्ष्य हुआ आंखों से ओझल, वर्तमान के मोहजाल में, आने वाला कल न भुलाएं। आओ फिर से दिया जलाएं''।

प्रदेश कार्य समिति बैठक

कार्यकर्ता हमारा आधार हैं: केशव

उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कार्यकर्ता हमारा आधार है और संगठन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। संगठन सरकार से बड़ा होता है, संगठन होगा तभी सरकार संभव है। हम 2014 में मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार पर काबिज हुए। 2017 में किसी को इस बात का विश्वास नहीं था कि हम प्रदेश में सरकार बनाएंगे। लेकिन संगठन और उसके कार्यकर्ताओं के संबल और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमने प्रचंड बहुमत की सरकार बनाई। यह जीत इतिहास में दर्ज हो गई। 2019 के चुनाव को भी बहुत कठिन बताया गया, सपा बसपा के गठबंधन के बाद भी कार्यकर्ताओं के परिश्रम की पराकाष्ठा के बल पर फिर से विजयी हुए। 2022 के चुनाव में देश विरोधी ताकतें भी सक्रिय हुई थी, कहा गया कि यूपी में भाजपा को रोक लिया तो दिल्ली में मोदी को रोक लेंगे। नतीजा सबके सामने है, हमने फिर से सरकार बनाई।

किसने सोचा था कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35ए कभी समाप्त हो सकता था, भव्य राम मंदिर का निर्माण हो सकता था, भव्य और दिव्य काशी विश्वनाथ कॉरीडोर का निर्माण होने की बात की जा सकती है। लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में यह सब संभव हुआ है। काशी विश्वनाथ मंदिर में पहले दर्शन के लिए 15 हजार लोग जाते थे अब लाख से अधिक लोग आ रहे हैं। हमने न केवल अपने तीर्थ क्षेत्रों का विकास किया है, बल्कि रोजगार के अवसर भी दिए हैं।

आने वाले दिनों में नगर निकाय के चुनाव भी हैं जिसमें सबको फिर से जुटना है। पार्टी जिसे लड़ाएगी उसे लड़ाना है, मनोयोग से जुटना है और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी से 75 प्लस सांसद जिताकर भेजने हैं।

मोदी-योगी जी के प्रयासों से करोना महामारी पर काबू पाया : ब्रजेश

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा की यह ऐसा सुअवसर है जब हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सुशासन की आठवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश का नाम कैसा था, उसकी साख कैसी थी यह किसी से छिपा नहीं है। मोदी जी ने पिछले आठ वर्षों में देश को बुलंदियों पर पहुंचाया है।

कांग्रेस को चलाने वाले परिवार ने गांधी का नाम तो ले लिया लेकिन उनका आचरण और कार्यों से सीख नहीं ली। श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीन दयाल उपाध्याय जी के संकल्पों को चरितार्थ करते हुए हमारी सरकार ने न केवल कश्मीर से धारा 370 व 35ए को खत्म किया बल्कि गरीब कल्याण की दिशा में अप्रतिम कार्य किए हैं। गरीब की झोपड़ी को पक्के मकान में बदला, मुफ्त बिजली कनेक्शन, मुफ्त राशन, इलाज के लिए आयुष्मान भारत का कवच, शौचालय, मुफ्त गैस कनेक्शन देने का काम भाजपा नीत केंद्र और राज्य की सरकार ने किया है। हमारे शासन में गरीब कल्याण की बातें कागजो में नहीं बल्कि धरातल पर उतारी गई।

उन्होंने कहा कोरोना की विपदा आई तो पूरी दुनिया इसके प्रकोप से कराह उठी, हम भी संकट में थे लेकिन, मोदी जी और योगी जी के प्रयासों से हमने इस पर काबू पाया। हमने दुनिया के दूसरे देशों को दवाएं और वैक्सीन भी उपलब्ध कराई। जिससे मानव जाति इस विभीषिका से निकल सकी है। हमारे वैज्ञानिकों ने देश का नाम रोशन किया, इससे न केवल भारत का मान दुनिया में बढ़ा बल्कि करोड़ों भारतीय विभीषिका से सुरक्षित रह सके।

सेवा-सुशासन एवं गरीब-कल्याण को समर्पित भाजपा सरकार

प्रदेश कार्य समिति बैठक में राजनैतिक प्रस्ताव अनूप गुप्ता जी ने प्रस्तुत किया, जिसका समर्थन संजयराय एवं शकुन्तला चौहान ने किया, प्रस्ताव सर्व सम्मत से पास हुआ जो निम्न हैं। उत्तर प्रदेश देश की आत्मा है। यह प्रदेश न केवल जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा है, अपितु यह एक ऐतिहासिक और पौराणिक धरा है। इस धरा पर भगवान राम–कृष्ण अवतरित हुये हैं। यह भगवान शिव की जटाओं में समाहित राज्य है जिनकी कृपा पूरे विश्व पर बरसती है। इस प्रदेश को गंगा–यमुना जैसी पावन नदियों का आशीर्वाद मिला है। प्रदेश में प्रयागराज कुंभ का भव्य और दिव्य केन्द्र है और कर्क रेखा भी यहीं से गुजरती है। यहां मां के शक्तिपीठ है। सही अर्थों में पर्यटन और आध्यात्मिक दृष्टि से यह भारत का केंद्र बिंदु है।

राजनैतिक प्रस्ताव

देश के इस सबसे बड़े राज्य में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर इतिहास रचा है। इस इतिहास के प्रणेता हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं, जिनके नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में हमने अपना मार्ग प्रशस्त किया है। आज इस अवसर पर हम माननीय प्रधानमंत्री जी का कोटि–कोटि आभार व्यक्त करते हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इसी प्रदेश की आध्यात्मिक नगरी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित माननीय प्रधानमंत्री जी का सानिध्य लगातार उत्तर प्रदेश को मिल रहा है। हम आभार व्यक्त करते हैं, अपने यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का जिनके नेतृत्व में विगत पांच वर्षों में भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनआकांक्षाओं को न केवल पूरा किया, अपितु उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में अपना अप्रतिम योगदान दिया है।

सबसे बड़ी आबादी के बाद भी उत्तर प्रदेश ने शताब्दी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना की तीनों लहरों में डट कर मुकाबला किया है। उत्तर प्रदेश में पॉजिटिविटी रेट और मृत्यु दर सबसे कम रहा। इस प्रदेश ने विपरीत परिस्थितियों में भी टीकाकरण, टेस्ट, स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतर कार्य किया है। अब उत्तर प्रदेश किशोरों के टीकाकरण में भी सबसे आगे है। आपदा की चुनौतीपूर्ण स्थिति में मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की योगी सरकार ने जिस तरह आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति दिया, उससे 'वोकल फॉर लोकल' प्रदेश की प्राथमिकता बन गया है। जिसकी सम्पूर्ण समाज प्रशंसा कर रहा है।

संस्कृति एवं पर्यटन :–

विगत पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने सांस्कृतिक उत्थान के लिए तेजी से कार्य किया है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण प्रगति पर है। माननीय प्रधानमंत्री जी की दिव्य दृष्टि से काशी कारीडोर पूर्ण आभा से चमक रहा है। भगवान शिव का अविनाशी स्वरुप आज काशी से संपूर्ण विश्व को आलोकित कर रहा है। चित्रकूट की रामधारा से लेकर भगवान बुद्ध की परिनिवार्णस्थली कुशीनगर और कान्हा की नगरी मथुरा प्रदेश की सांस्कृतिक प्रगति का आधार बन रहे हैं।

केन्द्र व प्रदेश सरकार के प्रयासों से प्रदेश के समस्त जनपदों में स्थित पौराणिक, पुरात्ताविक, एतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण–संवर्धन के कारण स्थलों से जुड़े व्यक्तियों, कलाकारों एवं स्थानीय समुदाय की आमदनी बढ़ाने व रोजगार के साधन सृजित करने के प्रयास हो रहे हैं। रामायण व बुद्ध सर्किट जैसी योजनाओं

से पर्यटन के साथ–साथ युवाओं को रोजगार मिल रहा है। इन सभी प्रयासों के लिये यह प्रदेश कार्यसमिति उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देती है।

युवाओं को रोजगार :–

विगत पांच वर्षों में प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रशासन, वित्त, शिक्षा, सिंचाई, सहकारिता, ऊर्जा, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था आदि में लगभग 5 लाख युवाओं को नौकरियां दीं हैं। जिसमें 1.80 लाख नौकरियां महिलाओं को भी मिली हैं। भाजपा सरकार ने प्रारंभ से ही रोजगार के मुद्दे पर ध्यान केन्द्रित किया है। लोक कल्याण संकल्प पत्र में हमने वादा किया था कि, हर परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार या स्वरोजगार का अवसर प्रदान करेंगे। प्रदेश सरकार उस वादे को अमल में ला रही है। अगले 5 वर्षों में यूपी में 5 करोड़ लोगों को स्वरोजगार देने को संकल्पबद्ध है। सरकार के प्रयास के कारण ही आज प्रदेश की औसत बेरोजगारी दर 2017 की 18 प्रतिशत के मुकाबले 2.9 प्रतिशत पर आ गई है। भाजपा सरकार के विगत पांच साल के कार्यकाल में हुई भर्तियों में ईमानदारी और शुचिता प्राथमिकता पर रही है।

महिलाओं सशक्तीकरण :–

महिला सशक्तीकरण के लिए शुरू किए गए 'मिशन शक्ति' के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा आशा वर्कर्स का मानदेय बढ़ाया। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक सखियों की नियुक्तियां की गई है। इसके आलावा लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूह के द्वारा स्वरोजगार अपना कर स्वावलम्बी बन रही हैं। थानों की जिम्मेदारी महिला पुलिस आरक्षियों को दी गयी है। सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब तक पौने दो लाख कन्याओं का विवाह कराया है। इसके अतिरिक्त कन्या विवाह अनुदान से 94 हजार कन्याओं का विवाह भी संपन्न कराया है।

कानून और व्यवस्था में सुधार :–

2017 के पूर्व दो दशकों से सपा–बसपा शासनकाल में उत्तर प्रदेश जंगल राज्य बन गया था। गुण्डाराज के चलते आम आदमी, व्यापारियों व महिलाओं में भय और असुरक्षा व्याप्त थी। भाजपा सरकार ने अपराध के प्रति जीरो टालरेंस नीति अपनाकर अपराधियों के विरुद्ध व्यापक अभियान छेड़ा। अपराध रोकने के साथ योगी सरकार ने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर कड़ाई से अंकुश लगाया। भाजपा सरकार ने महिला अपराध रोकने के लिए रात्रि सुरक्षा कवच योजना, महिला सहायता डेस्क, गुलाबी बूथ समेत गुलाबी बस सेवा आरंभ की। पुलिस को मजबूत करने के लिये नए पुलिस थाने, डेढ़ लाख नई पुलिस भर्तियां की गईं। धर्मान्तरण के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ विधेयक लाया गया। पिछले पांच वर्षों में कोई दंगा नहीं हुआ। सरकार के इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम दिख रहा है। आज उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था का देश के कई राज्य अनुशरण भी कर रहे हैं।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम :–

भाजपा सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य की श्रेणी से निकाल कर पांच वर्ष के अंदर ही औद्योगिक स्तर पर अग्रणी राज्य बनाया है। इसमें एमएसएमई, 'एक जिला एक उत्पाद' के द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों को वैश्विक स्तर के गुणात्मक उत्पादों से पहचान मिली है। यह प्रदेश प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत मार्जिनमनी वितरण के मामले में आज देश में नम्बर एक पर है। मुद्रा योजना में भी 145 फीसदी से अधिक सफलता यूपी ने हासिल किया है। इससे विगत पांच वर्षों में तीन करोड़ लोगों को स्वरोजगार मिला है। उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन, एथेनाल निर्माण में नंबर एक और मछली उत्पादन, खाद्यान्न उत्पादन एवं चीनी उत्पादन सहित अनेक

शोक प्रस्ताव

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल ने शोक प्रस्ताव रखा। शोक प्रस्ताव में पिछली कार्यसमिति की बैठक के बाद काल कलवित हुए पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विपक्षी दलों के नेतागण, प्रसिद्ध सामाजिक हस्तियों सहित अन्य दिवंगत लोगों के प्रति दो मिनट का मौन रखते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसमें प्रमुख रूप से प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह, नेता प्रतिपक्ष रहे स्व. अहमद हसन, पूर्व विधायक जमुना प्रसाद मिश्र, पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. जसवंत सोलंकी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष स्व. बांके बिहारी, भाजपा नेता स्व. रमेश चंद, स्व. मनोज मिश्र, स्व. हनुमान प्रसाद मिश्र, इतिहासविद स्व. योगेश प्रवीण, वरिष्ठ पत्रकार स्व. सुभाष मिश्र, स्व. रोहित सरदाना सहित अन्य लोगों के निधन पर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शोक प्रकट किया गया।

विषयों में अग्रणी बन रहा है।

गरीब कल्याण योजना :–

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ आज प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को मिल रहा है। अब हमारी सरकार कचरा उठाने वाले लोगों और बेघरों को भी राशन कार्ड से जोड़कर इसका लाभ देने जा रही है। प्रदेश में निराश्रित महिलाओं, वृद्धावस्था पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन को 500 से बढ़ाकर 1000 रुपये किया गया है। इसके साथ ही कोविड में अनाथ बच्चों के लिए सरकार 4 हजार करोड़ रुपये व्यय कर रही है।

प्रदेश में तीव्र ढांचागत विकास :–

उत्तर प्रदेश की समस्त ढांचागत परियोजनाओं पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे, डिफेंस कारीडोर, गंगा एक्सप्रेस–वे एवं प्रदेश के सभी 7 एयरपोर्ट तथा हाईवे एवं गांवों की सड़कों को सुगम बनाने के लिये पूरा प्रदेश सरकार को धन्यवाद कह रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सबसे अधिक कार्य यूपी में हुआ है। 2022 में बुन्देलखंड में यह कार्य पूर्ण होने की दिशा में है। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदेश के तमाम बेघरों को मिला है। उज्ज्वला योजना में भी उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर है। सौभाग्य योजना से प्रदेश के 1.41 करोड घरों में उजाला फैला है। किसानों को 15 हजार सोलर पंप देने की योजना है। प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में 2.55 करोड़ किसानों को 42 हजार 565 करोड़ रुपये दिये हैं। गन्ना किसानों को सरकार 8 हजार करोड़ का बकाया भुगतान सुनिश्चत करने जा रही है। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में प्राण–प्रण से लगी है। केन्द्र के सहयोग से 2017 के बाद भाजपा सरकार ने प्रदेश को 48 मेडिकल कालेज 2 एम्स दिये हैं। मेडिकल सीटें भी दोगुनी हो गईं हैं। इसके लिये यह कार्यसमिति योगी सरकार को धन्यवाद देती है।

अपने वादे को पूरा करते हुये उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दूसरे कार्यकाल के प्रथम बजट को 1 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य की ओर बढ़ा दिया है। राज्य की जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिये 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ का बजट सरकार लेकर आई है। सबका साथ–सबका विकास के मूलमंत्र के साथ बजट में जनता के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर सभी जिलों में उत्पादों को बढ़ावा देने, फिल्म सिटी की स्थापना करने, दो मुफ्त गैस सिलेण्डर देने, गरीब लोगों को फ्री राशन देने और किसानों को आर्थिक सहायता देने जैसी तमाम योजनाएं सम्मिलित हैं। जिसके लिये यह कार्यसमिति सरकार का आभार व्यक्त करती है।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व माननीय मुख्यमंत्री जी की सफल नीतियों ने उत्तर प्रदेश को नई उंचाईयों पर पहुंचाया है। सबका साथ–सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र को अंगीकार करके प्रदेश की जनता ने विपक्ष की कुटिल चालों को नाकाम करते हुये भाजपा को दूसरी बार प्रदेश की सत्ता सौंपी है। सहयोगी दलों के साथ 273 सीटों पर भाजपा को विजय–श्री प्राप्त हुई है। इसके लिये यह कार्यसमिति प्रदेश की जनता–जनार्दन को धन्यवाद देती है। अब इस जनादेश को सिर–माथे पर रखते हुये प्रदेश की भाजपा सरकार विकास की अविरल धारा को और प्रवाहमान बनाने को तत्पर है। भाजपा उ0प्र0 की यह कार्यसमिति देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन एवं सेवा, सुशासन तथा गरीब–कल्याण को समर्पित सफलतम 08 वर्ष पूर्ण करने के लिए उनका हृदय से अभिनन्दन करती है साथ ही प्रदेश की लोकप्रिय सरकार को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने, आर्थिक उन्नयन करने व सामाजिक भेदभाव के बिना प्रदेश का विकास करने के लिए धन्यवाद देती है।

आप सभी का बहुत–बहुत आभार

।। भारत माता की जय।।

रिपोर्ट टू नेशन

135 करोड़ वासियों के जीवन मोदी सरकार के कारण व्यापक परिवर्तनः योगी

साधक राजकुमार

केन्द्र सरकार के आठ साल पूरे होने पर भाजपा उ0प्र0 द्वारा 30 मई से शुरू किये गये "8 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण" कार्यक्रम के तहत 'रिपोर्ट टू नेशन' में सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों का सम्मान कर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। उपलब्धियों का पत्रक भी जारी हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मण आचार्य ने माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक का स्वागत व अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस अवसर पर कहा कि

केंद्र में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 08 वर्ष में भाजपा की सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ देश के भीतर एक विश्वास भरा है।

मई 2014 में प्रधानमंत्री जी ने देश की कमान अपने हाथों में ली थी। सबका साथ सबका विकास के मंत्र के अनुरूप केंद्र की सरकार ने बिना भेदभाव के गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान के हितों के लिए को कार्य किया, वह 135 करोड़ देशवासियों के जीवन मे व्यापक परिवर्तन का कारक बनी है।

2014 के पहले देश में सरकार के प्रति एक अविश्वास का वातावरण था। देश के विभिन्न क्षेत्र में अलगाववाद, उग्रवाद और आतंकवाद सिर चढ़ कर बोल रहा था। अराजकता अपनी पराकाष्ठा की ओर थी। भ्रष्टाचार संस्थागत रूप ले चुका था। गरीबी हटाओ के दशकों से नारे तो लग रहे थे, लेकिन उन्मूलन के लिए कोई ठोस प्रयास 35–40 वर्षों में नहीं दिखे।

> **2014 के पहले देश में सरकार के प्रति एक अविश्वास का वातावरण था। देश के विभिन्न क्षेत्र में अलगाववाद, उग्रवाद और आतंकवाद सिर चढ़ कर बोल रहा था। अराजकता अपनी पराकाष्ठा की ओर थी। भ्रष्टाचार संस्थागत रूप ले चुका था। गरीबी हटाओ के दशकों से नारे तो लग रहे थे, लेकिन उन्मूलन के लिए कोई ठोस प्रयास 35-40 वर्षों में नहीं दिखे।**

लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने जो कहा सो करके दिखाया। एक–एक योजना व्यक्ति, समाज और राष्ट्रीय जीवन में आत्मनिर्भरता का कारक बनी है।

08 वर्ष सेवा सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि है। इंफ्रास्ट्राक्चर के इतने प्रोजेक्ट, अन्नदाता की आय दोगुनी करने के प्रयास, युवाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रयासों ने भारत की तस्वीर बदली है।

इन 08 वर्षों के दौरान भारत आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से आगे बढ़ा है। देशवासियों के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रत्येक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं बढ़ी हैं। जरूरतमन्दों तक बिना भेदभाव विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा है। किसानों और गरीबों की आय में वृद्धि हुई है।

अन्तिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ पाकर स्वावलम्बन और आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ रहा है।

मातृ शक्ति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलम्बन के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में सहभागी बन रही है।

'मेक इन इण्डिया', डिजिटल इण्डिया, स्टार्ट–अप इण्डिया, स्टैण्ड–अप इण्डिया, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। हमारा युवा नये भारत और नये उत्तर प्रदेश के निर्माण में नये आत्मविश्वास के साथ योगदान दे रहा है।

'जैम ट्रिनिटी' अर्थात जन–धन, आधार और मोबाइल के तिहरे संयोजन के जरिये भ्रष्टाचार के तंत्र को समाप्त कर प्रत्येक देशवासी तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाकर अपनी दूरदर्शिता का परिचय दिया।

कोरोना काल खंड में तकनीक के सदुपयोग से डीबीटी के माध्यम से जरूरतमंदों तक सीधी मदद पहुंचाई गई।

पिछ्ली सरकारों ने कभी गरीबों को अपना सिर ढकने के लिए आवास देने के बारे में नहीं सोचा। प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 01 करोड़ 22 लाख 70 हजार आवास स्वीकृत कर दिए तो प्रदेश में 17.54 लाख आवास स्वीकृत किये गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में देश में 2.55 करोड़ घरों का निर्माण हुआ तो प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत 26.16 लाख आवास मिला।

कोल, मुसहर, वनटांगिया आदि वंचित समाज के लिए हमने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) शुरू की और अब तक 01 लाख 08 हजार 652 परिवारों को आवास देने में सफलता पाई है।

स्वच्छ भारत मिशन न केवल स्वच्छता बल्कि नारी गरिमा का प्रतीक भी बना। शहरी 66.9 लाख व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों बनाये गए तो 6.42 लाख सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण। उत्तर प्रदेश में इसी दौरान नगरीय क्षेत्र में लगभग 09 लाख व्यक्तिगत शौचालय तथा 69 हजार सामुदायिक शौचालय का निर्माण हुआ।

स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण में देश में 11 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालय बने तथा 02 लाख 03 हजार 970 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण हुआ।

अमृत योजना के अन्तर्गत पूरे देश में 60 नगरीय निकायों में लागू की गई है। हमने अब तक पेयजल की 121, सीवरेज व सेप्टेज की 59 तथा हरित क्षेत्र की 260 परियोजनाएं पूर्ण की हैं।

वर्ष 2024 तक हर घर में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए अगस्त, 2019 में जल जीवन मिशन का शुभारम्भ किया। विन्ध्य और बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 09 जनपदों के सभी राजस्व ग्रामों में पेयजल दिसम्बर, 2022 तक उपलब्ध करा देंगे। द्वितीय चरण के 66 जनपदों के 33 हजार से अधिक राजस्व ग्रामों में लागू कर रहे हैं।

03 करोड़ लोगों के पास बिजली कनेक्शन नहीं था। हमने प्रदेश में सौभाग्य योजना के माध्यम से 1.41 करोड़ निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिए।

समृद्ध किसान ही समृद्ध भारत के सपने को पूरा कर सकता है। देश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से 11.78 करोड़ किसान लाभान्वित हैं। प्रदेश में अब तक 2.55 करोड़ किसानों को 47397.48 करोड़ रुपये का लाभ मिल चुका है।

जो धरती माता हमें अन्न उपलब्ध कराती है। उसके स्वास्थ्य के लिए कभी कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के अंदर 23 करोड़ स्वायल हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराए गए। जबकि उत्तर प्रदेश में 03 करोड़ 76 लाख मृदा कार्ड जारी किए गए।

05 वर्षों में हमने गेहूं की खरीद कर अन्नदाता को 40,159 करोड़ रुपए का भुगतान किया, जबकि इन्हीं 05 वर्षों में किसानों से 280.09 लाख मीट्रिक टन धान क्रय कर 50,420 करोड़ रुपए का भुगतान किया।

किसान क्रेडिट कार्ड के लिए 03 करोड़ से अधिक नए आवेदन स्वीकृत हुए। उत्तर प्रदेश में 1.91 करोड़ किसान लाभान्वित हुए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

पिछले 06 वर्षों के अंदर 10.25 करोड़ से अधिक आवेदकों के 1.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक दावे उपलब्ध हुए हैं और उत्तर प्रदेश में 2.46 करोड़ बीमित किसानों को 03 हजार करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान हुआ है।

पहली बार स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्राम सभा की खुली बैठक के माध्यम से बिना किसी विवाद के 29 हजार से अधिक गांवों में 36 लाख लोगों को मालिकाना दस्तावेज जारी किया गया। उत्तर प्रदेश ने अब तक 15,940 ग्रामों में 23 लाख 47 हजार 243 ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) का वितरण सम्बन्धित स्वामियों को किया है।

यूपी की बात करें तो वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में वास्तविक रूप से मात्र 02 एयरपोर्ट-लखनऊ और वाराणसी क्रियाशील थे। वर्तमान में कुल 09 एयरपोर्ट संचालित हैं। निर्माणाधीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के तहत अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इन्टरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की कार्यवाही युद्ध स्तर पर चली रही है। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। उत्तर प्रदेश 05 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है।

सामूहिकता और प्रबंधन का महत्व हम सबने कोरोना के बीच देखा है।

2014 के पहले लोग दवा के लिए भटकते थे। दवाओं का अभाव था। आबादी के अनुपात में जितने चिकित्सक चाहिए थे, नहीं थे।

हम आभारी हैं प्रधानमंत्री मोदी जी के, जिन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कवर की योजना शुरू की। देश के अंदर 10.70 करोड़ गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा कवर दिया गया। 03 करोड़ 28 लाख से अधिक लोगों का मुफ्त इलाज हुआ है। तो उत्तर प्रदेश में वंचित परिवारों के लिए शुरू मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से अब तक 8.43 लाख परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। श्रमिकों को भी आयुष्मान से जोड़ा है।

एम्स और मेडिकल कॉलेज की स्थिति अगर आप देखेंगे तो वर्ष 2014 में 07 एम्स थे, जिनकी संख्या वर्ष 2022 में बढ़कर 22 हो गयी।

वर्ष 2014 में 387 मेडिकल कॉलेज थे, आज वर्ष 2022 में 596 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश में 1947 से 2017 से पूर्व प्रदेश में केवल 12 गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज बने थे। वर्ष 2017 के पश्चात् अब हम 33 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना कर रहे हैं। गोरखपुर व रायबरेली

में एम्स भी संचालित हैं।

देश में कोविड टीके की 190 करोड़ से अधिक खुराक दी गयी हैं। प्रदेश में अब तक कोविड टीके की 32 करोड़ 70 लाख से अधिक खुराकें दी गई हैं।

जब पहली बार कोरोना आया था तब राज्य में एक भी आरटीपीसीआर लैब नहीं थी। आज 209 आरटीपीसीआर लैब स्थापित की गईं। वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन 04 लाख कोरोना टेस्ट करने की क्षमता तथा 1.61 लाख बेड कोविड उपचार हेतु उपलब्ध हैं।

मिशन इंद्रधनुष के ।अंतर्गत अब तक 4.31 करोड़ बच्चों तथा 1. 08 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण हुआ है। प्रथम एवं द्वितीय चरण में कुल 25 लाख 80 हजार 874 बच्चों एवं 07 लाख 708 गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया।

कोरोना काल में 80 करोड़ भारतीयों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गयी। 15 करोड़ प्रदेशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में निःशुल्क राशन के साथ–साथ प्रदेश सरकार द्वारा भी मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

दिव्यांगजन के लिए सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में आरक्षण क्रमशः 03 प्रतिशत से बढ़ाकर 04 प्रतिशत तथा 03 प्रतिशत से बढ़ाकर 05 प्रतिशत किया गया।

वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत प्रत्येक लाभार्थी की पेंशन राशि को बढ़ाकर, 01 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से लगभग 56 लाख वृद्धजनों को पेंशन प्रदान की जा रही है।

निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों की देय पेंशन की धनराशि को बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में इस योजना के अन्तर्गत कुल 31 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया गया है।

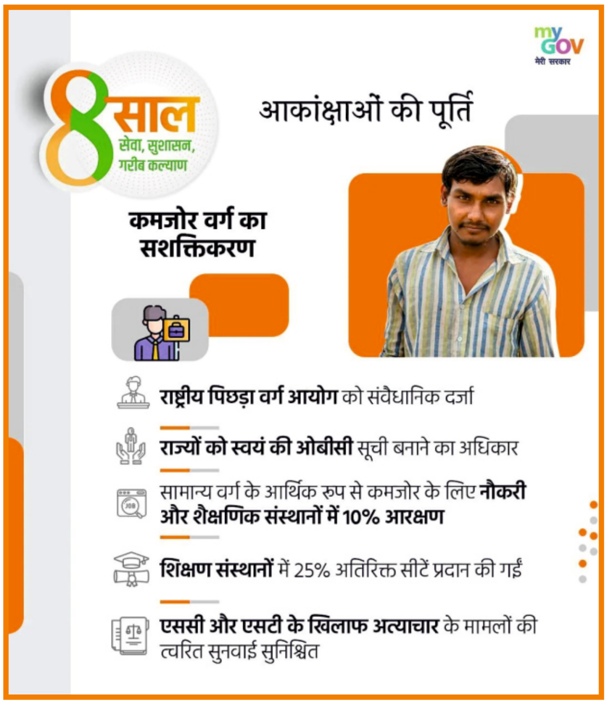

दिव्यांग पेंशन योजना की धनराशि, जो वर्ष 2017 के पूर्व मात्र 300 रुपये प्रतिमाह प्रति व्यक्ति थी, उसे बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजन इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

पीएम स्वनिधि योजना योजना के अन्तर्गत अब तक 31 लाख 90 हजार रेहड़ी–पटरी वालों को ऋण प्राप्त हुआ।

प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 8.28 लाख लाभार्थी को इसका लाभ मिला है।

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के तहत उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 07 करोड़ 90 लाख बैंक खाते खोले गए हैं।

विगत 05 वर्षों में इस योजना के तहत खोले गए खातों की संख्या में 03 करोड़ 43 लाख की वृद्धि हुई है।

नए भारत के लिए सशक्त नारी के उद्देश्य से नारी गरिमा सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 11.5 करोड़ शौचालय निर्मित कराए गए।

तीन तलाक को गैर कानूनी किया।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

09 करोड़ से अधिक उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शनों से महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से प्रदेश में 1.67 करोड़ निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए।

राज्य सरकार प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को वर्ष में 02 निःशुल्क एलपीजी सिलेण्डर प्रदान करेगी। इसके लिए बजट में प्राविधान किया गया है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 2.7 करोड़ लाभार्थी महिलाओं को 10 हजार 793 करोड़ रुपये से अधिक सहायता राशि वितरित की गई।

प्रदेश में अब तक 49.71 लाख महिला पात्र लाभार्थियों को इस योजना के अन्तर्गत 1972.14 करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है।

प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु प्रारम्भ किए गए 'मिशन शक्ति' चलाया जा रहा है।

सभी वर्गों के गरीब परिवारों की कन्याओं की शादी हेतु संचालित 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के अन्तर्गत अब तक 01 लाख 74 हजार 326 जोड़ों तथा श्रमिकों की कन्याओं के विवाह के लिए संचालित 'कन्या विवाह अनुदान योजना' के तहत लगभग 94 हजार कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराया गया है।

सरकारी खरीद फरोख्त के लिए लागू जेम पोर्टल पर वर्ष 2021–22 के दौरान 01 लाख करोड़ रुपये की वार्षिक खरीद की गई।

विगत 05 वर्षों में प्रदेश ने जेम पोर्टल के माध्यम से 20 हजार 366 करोड़ रुपये का क्रय करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

वर्ष 2018 में प्रदेश को 'बेस्ट बायर अवार्ड', वर्ष 2019 में 'सुपर बायर अवार्ड' तथा वर्ष 2020 में 'ट, प बायर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

भारत में 02 मई, 2022 को 100 वां यूनिक, न बना। स्टार्ट्रअप इण्डिया के तहत 07 लाख से अधिक रोजगार का सृजन। 647 जिलों में स्टार्ट्रअप को मान्यता दी गई।

वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश आईटी एवं स्टार्ट्रअप नीति तथा वर्ष 2020 में उत्तर प्रदेश स्टार्ट्रअप नीति लागू की गई।

प्रदेश में स्टार्ट्अप को बढ़ावा देने के लिए 01 हजार करोड़ रुपये का स्टार्ट्अप फण्ड स्थापित किया गया है।

प्रदेश में 5600 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप्स, 47 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर्स तथा 02 उत्कृष्टता केन्द्र (लखनऊ तथा कानपुर) में स्थापित किये हैं।

प्रदेश की बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी आई है। सेण्टर मी (सीएमआईई) के आकलन के अनुसार जून, 2016 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, जो अप्रैल, 2022 में घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई है।

हमारी आकर्षक निवेश नीतियों के कारण कोरोना काल में ही 67,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा फरवरी, 2018 में 'यूपीइन्वेस्टर्स समिट' का शुभारम्भ करते हुए डिजिटल सिंगल विण्डो पोर्टल में से एक 'निवेश मित्र' पोर्टल को लोकार्पित किया गया था। विगत 01 वर्ष में पोर्टल से लगभग 200 सेवाओं को जोड़ते हुए उद्यमियों को 29 विभागों की 348 से अधिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

भारत ने इन वर्षों में अनेक उपलब्धि हासिल की है। न केवल देश के अंदर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की गरिमा में वृद्धि हुई है। एक नई पहचान के साथ भारत आगे बढ़ा है।

उत्तर प्रदेश एक उत्कृष्ट निवेश एवं बिजनेस गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है। ईज़ अ, फ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व प्रगति करते हुए देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

पीएम गति शक्ति के माध्यम से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की रियल टाइम निगरानी।

प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अन्तर्गत मल्टी माडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं हेतु वर्ष 2022–23 के बजट में 897 करोड़ रूपये का प्राविधान किया गया है।

वर्ष 2013–14 से वर्ष 2020–21 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के नेटवर्क में डेढ़ गुना वृद्धि। इस अवधि में 13 हजार 327 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों का निर्माण हुआ है।

प्रतिदिन निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग की औसत किलोमीटर लम्बाई वर्ष 2013–14 में 12 से बढ़कर वर्ष 2020–21 में 37 हो गई।

05 एक्सप्रेस वे के साथ वर्तमान में उत्तर प्रदेश 'एक्सप्रेस प्रदेश' के रूप में जाना जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी द्वारा पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे राष्ट्र को समर्पित किया जा चुका है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे माह जून, 2022 में पूरा होने जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे पर युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेस–वे के निर्माण की कार्यवाही प्रगति पर है।

लखनऊ–कानपुर के बीच एक्सप्रेस वे बन रहा है। दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस वे से आज 45 मिनट में दोनों शहरों की दूरी तय की जा सकती है।

वर्ष 2014 में 05 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क का परिचालन हो रहा था। वर्ष 2022 में 18 शहरों में 791 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क का परिचालन किया जा रहा है।

वर्ष 2016 में प्रदेश में 18 किलोमीटर लम्बाई में मेट्रो रेल संचालित थी। वर्तमान में 90 किलोमीटर लम्बाई में मेट्रो रेल संचालित हो रही है।

एयर कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। वर्ष 2014 में 74 हवाई अड्डों के सापेक्ष वर्ष 2021 में यह संख्या 136 हुई है।

यूपी की बात करें तो वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में वास्तविक रूप से मात्र 02 एयरपोर्ट–लखनऊ और वाराणसी क्रियाशील थे। वर्तमान में कुल 09 एयरपोर्ट संचालित हैं। निर्माणाधीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के तहत अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इन्टरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की कार्यवाही युद्ध स्तर पर चली रही है। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। उत्तर प्रदेश 05 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है।

भारत ने इन वर्षों में अनेक उपलब्धि हासिल की है। न केवल देश के अंदर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की गरिमा में वृद्धि हुई है। एक नई पहचान के साथ भारत आगे बढ़ा है।

आज दुनिया में जब मानवता संकट में होती है, तो दुनिया भारत के यशस्वी नेतृत्व की ओर बड़े विश्वास से देखती है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व ने विगत 08 वर्ष में आज आत्मनिर्भर भारत को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। जहां वैश्विक मंच पर भारत का सम्मान बढ़ा है, वहीं मोदी जी की विजन के अनुरूप भारत अपने आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को पूरा करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा है।

सेवा, सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण का यह अभियान आगे बढ़ रहा है। पूरे देश को बिना भेदभाव इसका लाभ मिल रहा है। उत्तर प्रदेश जो बीमारू राज्य था, आज अपने बीमारू की पहचान को छोड़ कर देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह बदलती हुई तस्वीर है। 08 वर्ष के इस कार्यकाल के लिए हम प्रधानमंत्री जी का हृदय से अभिनन्दन करते हैं। केंद्रीय कैबिनेट के अभिनन्दन करते हैं। नये भारत के निमार्ण की सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के इस अभियान में सबका विश्वास, सबका प्रयास, हो यही कामना रही।

संगठनात्मक गतिविधियां 'सामाजिक संवाद'' कार्यक्रम

''संवेदना भी, संवाद भी''

भाजपा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा ने 17 मई, 2022 को भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में 'सामाजिक संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य और मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा अनुसूचित जाति समुदाय मोदी सरकार की गरीब हितैषी कल्याणकारी योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार कल्याणकारी और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित कई योजनाएं चला रही है। इसके साथ ही लंबे समय से चले आ रहे समाज के मुद्दों को भी संबोधित कर रही है। उदाहरण के लिए अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से कश्मीर में एससी समुदाय के लोगों को बड़ा लाभ मिला। इसी तरह प्राथमिकता के आधार पर 'पंचतीर्थ' के विकास ने हमारे संविधान के निर्माता को सम्मानित किया है और इस समुदाय के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित किया है।

श्री नड्डा ने कहा कि 'संवेदना भी, संवाद भी' वाला हमारा दृष्टिकोण समुदाय के लोगों के साथ लगातार संवाद स्थापित करने के लिए है। अगर हम उनसे मिलें, उनके साथ भोजन करें, उनकी चिंताओं को सुनें और कोई समाधान निकालने की कोशिश करें, तो निश्चित रूप से लोगों की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सकता है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दलित आंदोलनों को आगे बढ़ाया जाना चाहिए और ऐसे आंदोलनों से नेतृत्व तैयार किया जाना चाहिए। आइए, इस गतिविधि को दलित बस्तियों, विश्वविद्यालय छात्रावासों की सूची बनाकर शुरू करें; दो से सात व्यक्तियों की एक टीम बनाकर इन छात्रावासों में जाकर, उनसे संपर्क स्थापित करें। यह असंभव लगता है लेकिन एक प्रभावशाली प्रयास हो सकता हैकृ मेरा विश्वास करें, मैं अनुभव से बोल रहा हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष ने मोर्चा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमने अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित मुद्दों पर घंटों विस्तृत विचार–विमर्श किया है। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन की एक राजनीतिक यात्रा है, जिसमें हम जाति, वर्ग और भौगोलिक भिन्नता के बावजूद सभी वर्गों की एकता को सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

भाजपा महिला मोर्चा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, मप्र

'भाजपा सरकारें हमेशा महिलाओं और बेटियों का ख्याल रखती हैं'

भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा ने 13 मई से 15 मई, 2022 तक मध्य प्रदेश के सीहोर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान, महिला सशक्तीकरण में भाजपा की भूमिका और महिलाओं से संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के दौरान महिलाओं से संबंधित कानूनों, भारत में महिलाओं की स्थिति, नए भारत में महिलाओं की भूमिका आदि विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं महिला मोर्चा के प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम, भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन, मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, मध्य प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री मुरलीधर राव, रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने महिला मोर्चा के सदस्यों को संबोधित किया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकारों ने हमेशा हमारी महिलाओं और बेटियों का ख्याल रखा है। भाजपा का एजेंडा न केवल महिला सशक्तीकरण है, बल्कि हम उनके सामाजिक सशक्तीकरण, राजनीतिक सशक्तीकरण, आर्थिक सशक्तीकरण पर भी ध्यान दे रहे हैं और पार्टी इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा ने हमेशा समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 50 प्रतिशत महिला आबादी को सशक्त बनाने के लिए उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, नल जल योजना, मुद्रा योजना जैसी विभिन्न जनहितैषी योजनाएं लागू कर, महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत का विचार महिलाओं के बिना पूरा नहीं हो सकता और पार्टी का विचार महिला कार्यकर्ताओं के बिना पूरा नहीं हो सकता।

भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए है और ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इसी को देखते हुए महिला मोर्चा ने निर्णय लिया है कि अगले तीन माह तक मोर्चा की एक लाख महिला कार्यकर्ता को प्रशिक्षित किया जाएगा और ये जनता के बीच जाकर मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सरकार की नीतियों का प्रचार–प्रसार करेंगी।

भाजयुमो का तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

'मैं भाजपा में हूं' के बजाय 'मैं भाजपा हूं' का विश्वास कार्यकर्ता के व्यक्तित्व में झलकना चाहिए

भारतीय जनता युवा मोर्चा का तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर 13, 14 एवं 15 मई, 2022 को धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित हुआ। इसका उद्‌घाटन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने किया। इस वर्ग में भाजयुमो के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सभी प्रदेशों के पदाधिकारियों एवं हिमाचल प्रदेश कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

अपने वक्तव्य में श्री नड्डा ने जनसंघ के दिनों से भाजपा की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शीर्ष पर हमेशा जगह होती है। अपनी लगन, मेहनत से आप उस जगह को भर सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान को बढ़ाने व आपका मार्गदर्शन करने के लिए यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। 'मैं भाजपा में हूं' के बजाय 'मैं भाजपा हूं' का विश्वास प्रत्येक भारतीय व प्रत्येक संगठन के कार्यकर्ता के व्यक्तित्व में झलकना चाहिए। यह आत्मविश्वास आपको और आपकी पार्टी को राष्ट्रहित में निःस्वार्थ भाव से काम करने की ताकत देता है। इस अवसर पर पर श्री नड्डा ने भाजयुमो की 'सुशासन पत्रिका' का भी लोकार्पण किया। विभिन्न सत्रों में आईसीसीआर के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री विनय सहस्रबुद्धे ने 'हमारी विचारधारा', भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुग ने 'कार्यपद्धति' एवं श्री मुरलीधर राव ने 'हमारा विचार परिवार' विषय पर अपने विचार रखे।

प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन सर्वोच्च न्यायालय के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री विक्रमजीत बनर्जी ने 'टूल्स ऑफ लीगल एक्टिविज़्म' पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। 'न्यू इंडिया 2047–स्टार्टअप, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और सरकार' विषय पर पेटीएम के संस्थापक श्री विजय शेखर शर्मा, उड़ान के संस्थापक श्री सुजीत कुमार और कू ऐप के सह संस्थापक श्री अमेय राधाकृष्ण ने अपने विचार साझा किए। इसके बाद भारतीय सेना के कैप्टन श्री आर. रघुराम ने 'सशस्त्र बलों के नेतृत्व' विषय पर अपने विचार रखे। समापन सत्र में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजयुमो प्रभारी श्री तरुण चुग ने 'भाजयुमो की भूमिका' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि युवा मोर्चा का हर कार्यकर्ता व्यवस्था परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। हमें केंद्र सरकार द्वारा आम जनता के लिए किये जा रहे प्रयासों को उन तक पहुंचाने का उद्यम करना है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद श्री तेजस्वी सूर्या ने प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण सत्र में हम अपने कार्यकर्ताओं के बौद्धिक, सामाजिक, संगठनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से समग्र विकास पर जोर दे रहे हैं, जो निश्चित रूप से हमारे कार्यकर्ताओं को उनके सार्वजनिक और व्यक्तिगत जीवन में मदद करेंगे।

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

देश में रिकॉर्ड 31.451 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन होने का अनुमान

खाद्यान्न का उत्पादन पिछले 5 वर्षों के औसत खाद्यान्न उत्पादन से 2.38 करोड़ टन अधिक होने का अनुमान। चावल, मक्का, दलहन, तिलहन, चना, रेपसीड एवं सरसों और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानित

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021–22 के लिए प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया गया है। मंत्रालय द्वारा 19 मई को जारी एक बयान के अनुसार देश में खाद्यान्न का उत्पादन रिकॉर्ड 31.451 करोड़ टन होने का अनुमान है जो 2020–21 की अवधि के खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 37.7 लाख टन अधिक है।

2021–22 के दौरान उत्पादन पिछले पांच वर्षों (2016–17 से 2020–21) के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 2.38 करोड़ टन अधिक है। चावल, मक्का, दालें, तिलहन, चना, रेपसीड एवं सरसों और गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानित है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि इतनी सारी फसलों का यह रिकार्ड उत्पादन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों के साथ ही किसानों के अथक परिश्रम और वैज्ञानिकों की लगन का परिणाम है। विभिन्न फसलों के उत्पादन का आकलन राज्यों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है जिसकी पुष्टि अन्य स्रोतों से उपलब्ध जानकारी से की गई है।

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 2021–22 के दौरान प्रमुख फसलों का अनुमानित उत्पादन निम्नानुसार है:

खाद्यान्न 31.451 करोड़ टन, चावल 12.966 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), गेहूं 10.641 करोड़ टन, पोषक/मोटे अनाज 5.070 करोड़ टन, मक्का 3.318 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), दलहन 2.775 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), तूर 43.5 लाख टन, चना 1.398 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), तिलहन 3.850 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), मूंगफली 1.009 करोड़ टन, सोयाबीन 1.383 करोड़ टन, रेपसीड और सरसों 1.175 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), गन्ना 43.05 करोड़ टन (रिकॉर्ड स्तर), कपास 3.154 करोड़ गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम), जूट और मेस्टा 1.022 करोड़ गांठें (प्रत्येक 180 किग्रा)।

सरकार की उपलब्धियां

भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हासिल किया

वित्त वर्ष 2003-04 की तुलना में भारत के एफडीआ में 20 गुना वृद्धि हुई है, जब एफडीआ केवल 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर था

भारत ने वित्त वर्ष 2021–22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल किया जो अब तक किसी भी वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 20 मई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2014–15 में भारत में केवल 45.15 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया था, जबकि वित्त वर्ष 2021–22 में 83.57 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई अब तक का सर्वाधिक सालाना एफडीआई है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2003–04 की तुलना में भारत के एफडीआई में 20 गुना वृद्धि हुई है, जब एफडीआई केवल 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।

पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान रिपोर्ट किए गए कुल एफडीआई का विवरण इस प्रकार है:

दरअसल, भारत विनिर्माण क्षेत्र में विदेशी निवेश के लिए एक पसंदीदा देश के रूप में तेजी से उभर रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2020–21 (12.09 अरब अमेरिकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 2021–22 (21.34 अरब अमेरिकी डॉलर) में विनिर्माण क्षेत्रों में एफडीआई इक्विटी में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

क्र. सं.	वित्त वर्ष	एफडीआई की राशि (अरब अमेरिकी डॉलर में)
1.	2018-19	62.00
2.	2019-20	74.39
3.	2020-21	81.97
4.	2021-22	83.57

भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में निम्नलिखित प्रवृत्ति वैश्विक निवेशकों के बीच एक तरजीही निवेश गंतव्य के रूप में इसकी स्थिति का सबूत है।

इस बात पर गौर किया जा सकता है कि एफडीआई प्रवाह में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैदृ भारत में कोविड के बाद (मार्च, 2020 से मार्च, 2022: 171.84 अरब अमेरिकी डॉलर) कोविड से पहले एफडीआई (फरवरी, 2018 से फरवरी, 2020: 141.10 अरब अमेरिकी डॉलर) की जानकारी दी गई है।

भारत विनिर्माण क्षेत्र में विदेशी निवेश के लिए एक पसंदीदा देश के रूप में तेजी से उभर रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2020-21 (12.09 अरब अमेरिकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 (21.34 अरब अमेरिकी डॉलर) में विनिर्माण क्षेत्रों में एफडीआई इक्विटी में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान भारत में निवेश करने वाले शीर्ष निवेशक देशों के मामले में सिंगापुर 27 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद 18 प्रतिशत के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर और 16 प्रतिशत के साथ मॉरीशस तीसरे स्थान पर है।

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान देश में 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' क्षेत्र में सबसे ज्यादा विदेशी निवेश देखने को मिला है, जहां करीब 25 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्रमशः सेवा क्षेत्र (12 प्रतिशत) और ऑटोमोबाइल उद्योग (12 प्रतिशत) का स्थान है।

'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' क्षेत्र के तहत वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान सबसे ज्यादा एफडीआई 53 प्रतिशत कर्नाटक में आया, तो दिल्ली में 17 प्रतिशत और महाराष्ट्र में भी 17 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त करने वाला राज्य कर्नाटक है, जहां 38 प्रतिशत एफडीआई आया है। इसके बाद 26 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र और 14 प्रतिशत के साथ दिल्ली का स्थान है। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान कर्नाटक के अधिकांश इक्विटी प्रवाह 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर' (35 प्रतिशत), ऑटोमोबाइल उद्योग (20 प्रतिशत) और शिक्षा (12 प्रतिशत) क्षेत्रों में रिपोर्ट किए गए हैं।

पिछले आठ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के अच्छे परिणाम मिले हैं जो देश में प्राप्त एफडीआई प्रवाह की लगातार बढ़ती मात्रा से स्पष्ट है, जिसने नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार एफडीआई नीति की लगातार समीक्षा करती है और महत्वपूर्ण बदलाव करती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत एक आकर्षक और निवेशकों के लिए उपयोगी स्थान है।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने एफडीआई के लिए एक उदार और पारदर्शी नीति बनाई है, जिसमें अधिकांश क्षेत्र स्वचालित मार्ग के तहत एफडीआई के लिए खुले हैं। कारोबार में आसानी और निवेशकों को आकर्षित करने की सुविधा प्रदान करने के लिए एफडीआई नीति को अधिक उदार और सरल बनाने के लिए हाल ही में कोयला खनन, अनुबंध निर्माण, डिजिटल मीडिया, एकल ब्रांड खुदरा व्यापार, नागरिक उड्डयन, रक्षा, बीमा और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में सुधार किए गए हैं।

सरकार की उपलब्धियां

दो स्वदेशी फ्रंटलाइन युद्धपोतों– आईएनएस सूरत और आईएनएस उदयगिरी का जलावतरण

आईएनएस सूरत पी15बी श्रेणी का चौथा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है, जबकि आईएनएस उदयगिरि पी17ए क्लास का दूसरा स्टील्थ फ्रिगेट है

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 17 मई, 2022 को मझगांव गोदी लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में भारतीय नौसेना के दो फ्रंटलाइन युद्धपोतोंकृ आईएनएस सूरत और आईएनएस उदयगिरी का जलावतरण किया। आईएनएस सूरत पी15बी श्रेणी का चौथा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है, जबकि आईएनएस उदयगिरि पी17ए क्लास का दूसरा स्टील्थ फ्रिगेट है। दोनों युद्धपोतों को नौसेना डिजाइन निदेशालय (डीएनडी) द्वारा अपने यहां डिजाइन किया गया है और एमडीएल, मुंबई में बनाया गया है।

गौरतलब है कि प्रोजेक्ट 15बी श्रेणी के जहाज भारतीय नौसेना की अगली पीढ़ी के स्टील्थ गाइडेड–मिसाइल डिस्ट्रॉयर हैं, जिन्हें एमडीएल में बनाया जा रहा है, जो हथियार प्रखर पी15ए (कोलकाता क्लास) डिस्ट्रॉयर्स के फॉलो–ऑन क्लास हैं। पी17ए फ्रिगेट्स युद्धपोत हैं जो पी17 (शिवालिक क्लास) फ्रिगेट्स के फॉलो–ऑन क्लास हैं, जिनमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम हैं। एमडीएल और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में सात पी17ए फ्रिगेट निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। डिस्ट्रॉयर और फ्रिगेट जैसे जटिल फ्रंटलाइन प्लेटफॉर्म का स्वदेश में निर्माण 'आत्मनिर्भर भारत' पर सरकार की परिकल्पना के अनुरूप है।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में युद्धपोतों का वर्णन आत्मनिर्भरता हासिल करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश की समुद्री क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता के अवतार के रूप में किया, ऐसे समय में जब दुनिया कोविड–19 के कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान देख रही है और रूस–यूक्रेन संघर्ष चल रहा है। उन्होंने महामारी के बावजूद जहाज उत्पादन कार्यों को जारी रखने और वर्तमान भू–राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय नौसेना की रणनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एमडीएल को बधाई दी।

श्री सिंह ने कहा कि दोनों युद्धपोत भारतीय नौसेना के शस्त्रागार की ताकत बढ़ाएंगे और दुनिया को भारत की रणनीतिक ताकत के साथ–साथ आत्मनिर्भरता की शक्ति का परिचय देंगे। उन्होंने कहा कि आईएनएस उदयगिरी और आईएनएस सूरत भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमता के चमकते हुए उदाहरण हैं। युद्धपोत दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से उन्नत मिसाइल वाहक होंगे, जो वर्तमान के साथ–साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी पूरा करेंगे। आने वाले समय में हम न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करेंगे, बल्कि दुनिया की जहाज निर्माण की जरूरतों को भी पूरा करेंगे। हम जल्द ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की परिकल्पना को साकार करेंगे।

श्री सिंह ने कहा कि यदि कोई देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना चाहता है, तो उसे अपने सैन्य कौशल को मुख्य भूमि से बहुत दूर के क्षेत्रों में प्रदर्शित करना चाहिए। यदि किसी देश की क्षेत्रीय या वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा है, तो एक मजबूत नौसैनिक बल विकसित करना आवश्यक है। सरकार इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। हम एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना चाहते हैं, जिसे एक वैश्विक शक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त हो।

रक्षा मंत्री ने इस तथ्य की सराहना की कि भारतीय नौसेना हमेशा स्वदेशी जहाजों, पनडुब्बियों आदि के निर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने में सबसे आगे रही है। 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के साथ हाथ मिलाते हुए नौसेना ने आवश्यकता (एओएन) की 76 प्रतिशत और 2014 में भारतीय विक्रेताओं को 66 प्रतिशत लागत–आधारित अनुबंध और लगभग 90 प्रतिशत नौसेना गोला–बारूद के स्वदेशीकरण को स्वीकृति दी। इसके अलावा, पिछले पांच वित्तीय वर्षों में नौसेना के आधुनिकीकरण बजट का दो–तिहाई से अधिक स्वदेशी खरीद पर खर्च किया गया है। नौसेना द्वारा ऑर्डर किए गए 41 जहाजों और पनडुब्बियों में से 39 भारतीय शिपयार्ड से हैं।

रक्षा मंत्री ने स्वदेशी विमान वाहक 'आईएनएस विक्रांत' का विशेष उल्लेख करते हुए इसे भारतीय नौसेना के 'आत्मनिर्भर भारत' के पथ में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वाहक हिंद महासागर से प्रशांत और अटलांटिक महासागर तक भारत की पहुंच बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि 'आईएनएस विक्रांत' का जलावतरण भारतीय रक्षा इतिहास में एक स्वर्णिम क्षण होगा।

प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा

भारत और नेपाल के बीच छह समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर 16 मई, 2022 को बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर नेपाल के लुंबिनी की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी की यह नेपाल की पांचवीं और लुंबिनी की पहली यात्रा थी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेपाल पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री देउबा, उनकी पत्नी डॉ. आरजू राणा देउबा सहित कई मंत्रियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री श्री देउबा के साथ नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) से संबंधित लुंबिनी स्थित एक भूखंड पर भारत अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र के निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह में भाग लिया। इस शिलान्यास समारोह के बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने बौद्ध केंद्र के एक मॉडल का भी अनावरण किया, जिसकी परिकल्पना नेट–ज़ीरो उत्सर्जन के अनुरूप एक विश्वस्तरीय सुविधा के रूप में की गई है जिसमें प्रार्थना कक्ष, ध्यान केंद्र, पुस्तकालय, प्रदर्शनी हॉल, कैफेटेरिया एवं अन्य सुविधाएं होंगी और यह दुनिया भर के बौद्ध तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए खुला रहेगा।

प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा के दौरान हस्ताक्षर हुए तथा आदान-प्रदान किये गए समझौता ज्ञापनों/समझौतों की सूची

क्र.	समझौता ज्ञापन का नाम
1	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) और लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के बीच बौद्ध अध्ययन के लिए डॉ. अम्बेडकर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन
2	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) और सीएनएएस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच भारतीय अध्ययन के आईसीसीआर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन
3	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) और काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू) के बीच भारतीय अध्ययन के आईसीसीआर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन
4	काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू), नेपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी-एम), भारत के बीच सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन
5	काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू), नेपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटीएम), भारत के बीच समझौता पत्र (एलओए) [स्नातकोत्तर (मास्टर) स्तर पर संयुक्त डिग्री कार्यक्रम के लिए]
6	अरुण 4 परियोजना के विकास और कार्यान्वयन के लिए एसजेवीएन लिमिटेड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच समझौता

संपूर्णता का विचार

पं. दीनदयाल उपाध्याय

यदि अपने देश को परम वैभव पर ले जाना है क तो उस वैभव की कल्पना उसका ज्ञान अपने को रहना चाहिए। पश्चिमी राष्ट्रों ने प्रगति की भी है, लेकिन उनकी दृष्टि कैसी है, विचार कैसा किया, उनको आघात कैसे सहन करने पड़े और विफल बन गए आदि का विचार कल यहां हुआ। पाश्चात्य जीवन आज सुखी नहीं है। व्यक्ति और समाज जीवन की मनीषा पूर्ण करने का कुछ साधन उनके पास नहीं। ऐसी परिस्थिति में हम पूर्ण जीवन की ओर देखें। पाश्चात्यों का अनुकरण ठीक नहीं, जीवन के संबंध में अपने यहां भी विचार हुए हैं। ऋषि–मुनियों ने क्या सोचा है, इसका विचार करें। वे विचार यदि हमें अनुकूल लगें और वे देश–काल निरपेक्ष हैं तो उनको स्वीकार कर आगे बढ़ें।

व्यक्ति क्या है, उसका स्वरूप क्या है, उसका हित किसमें है, इन प्रश्नों के बारे में पाश्चात्यों के विचार और अपने विचार इनमें मूलभूत भिन्नता है। मैं, यानी केवल शरीर मात्र नहीं, शरीर से आगे बढ़कर 'मैं' कुछ हूं। शरीर के साथ–साथ मन–बुद्धि सबके अंदर मैं निहित है। मन–बुद्धि आदि दिखाई देते नहीं, फिर भी हम उनको मानते हैं। इन सभी को सुख मिलता है, तब ही मनुष्य सुखी होता है। नहीं तो दुःखी ही रहता है। सब तरह का अनुकूल वातावरण रहते हुए भी कभी–कभी नींद नहीं आती। मन में कोई चिंता नहीं रही तो निश्चिंतता से आदमी पत्थर पर भी सो जाता है, मन में चिंता रहती है तो उसे भोजन सुखदायक नहीं होता। जिसको फांसी की सजा हुई है, उसे कितना भी भोजन खिलाओ तो वह उसके शरीर को लगता नहीं। शरीर, स्वास्थ्य के लिए आदमी को प्रोटीन्स, विटामिंस कितने चाहिए, इतने मात्र विचार करने से काम नहीं चलेगा। सब तरह का भोजन देने से भी शरीर ठीक नहीं होगा। दो आदमियों को बराबर तौलकर भी भोजन खिलाया तो भी एक का अच्छा स्वास्थ्य और दूसरे का कम अच्छा दिखाई देता है। इससे निर्णय यह होता है कि शरीर का विकास भोजन पर निर्भर नहीं होता, पश्चिम में भी इसका विचार हुआ है। मानसिक रोग चिकित्सा में रोगों को दूर करना है तो मन को ठीक करना चाहिए, उसका स्वास्थ्य देखना चाहिए, ऐसा वे मानते हैं।

> **मैं, यानी केवल शरीर मात्र नहीं, शरीर से आगे बढ़कर 'मैं' कुछ हूं। शरीर के साथ-साथ मन-बुद्धि सबके अंदर मैं निहित है। मन-बुद्धि आदि दिखाई देते नहीं, फिर भी हम उनको मानते हैं। इन सभी को सुख मिलता है, तब ही मनुष्य सुखी होता है**

सामूहिक संबंध

शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समुच्चय यानी व्यक्ति है। 'मैं' में ये सब आते हैं। परंतु 'मैं' इतना ही है क्या? 'मैं' एक हिंदू हूं, हिंदुस्तान का एक प्रतिनिधि हूं, मैं समाज के सुख–दुःख में भागी हूं, समाज के दुःख से मुझे पीड़ा होती है। सुख का संबंध मेरे बंधुओं और आस–पास के लोगों से रहता है। समाज के व्यक्तियों के साथ ऐसा संबंध बढ़ा तो यह भावना बढ़ती है। आकाश के अनेक रंग देखने पर सूर्योदय–सूर्यास्त को देखकर, खिलते हुए गुलाब को देखकर, चिड़ियों का चहचहाना सुनकर और समुद्र के किनारे जाते ही पानी की लहरें देखकर हमें आनंद क्यों होता है? हमारा आनंद वहां तक ही सीमित नहीं। बाह्य जगत् के साथ भी संबंध होता है। कुटुंब के हर व्यक्ति के साथ संबंध होता है। हम सबका एक सामूहिक संबंध है। व्यक्ति की एक प्रकृति होती है। व्यक्ति के मन जैसा समाज का भी मन रहता है, जिसको Mob-Mentality कहते हैं। यह व्यक्ति से अलग रहता है। यह डवइ डमदजंसपजल, समूह भाव अच्छा हो या बुरा, उसमें एक संवेदनशीलता होती है और उसका परिणाम समूह के सभी लोगों पर होता है। संगठन, समाज आदि का यही एक भाव आधारभूत है।

यह समाज केवल व्यक्तियों का समूह ही नहीं। व्यक्तियों के विचारों का और भावनाओं का जोड़ भी समाज नहीं, पाश्चात्यों ने ऐसा व्यक्तियों का समूह और भावना, विचारों का जोड़ भी समाज माना है, लेकिन वे विचार ग़लत हैं। समाज का एक अलग

अस्तित्व है। समाज का एक स्वतंत्र मन और प्रकृति होती है। Group mind और Individual mind की जाने, यानी समाज मन नहीं, वह अलग ही होता है। थोड़े दिनों के पहले पू. गुरुजी और श्री विनोबाजी की भेंट हो गई। विनोबाजी को एक प्रश्न पूछा गया कि हिंदुओं और मुसलमानों में कौन अच्छा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं और मुसलमानों में अच्छे और बुरे दोनों ही हैं। लेकिन जब मुसलमान सामूहिक रूप से आते हैं तो उनके मन में बुरा विचार आता है। और जब हिंदू सामूहिक रूप से इकट्ठे आते हैं तो उनमें सेवा, तपस्या और विश्व के साक्षात्कार का विचार ही आता है। क्यों, क्योंकि दोनों समाज की प्रकृतियां ही भिन्न हैं। दोनों के ग्रुप माइंड में अंतर है।

व्यक्ति और समाज के संबंध कहीं से उत्पन्न नहीं हुए हैं। समाज एक सजीव सृष्टि है। पेड़, जानवर, मनुष्य जैसे जन्म लेते हैं, वैसे ही समाज का भी जन्म होता है। ये जैसे सजीव हैं, वैसे ही समाज भी सजीव है। समाज के जन्म लेने के बाद उसका भी विकास होता है। मोटर जन्म नहीं लेती, वह कारखाने में बनाई जाती है। समाज का विकास होता है, लेकिन मोटर का विकास नहीं होगा। समाज व्यक्तियों का समूह नहीं, वह organism है। एक ही व्यक्ति पिता, पति, पुत्र, मित्र, व्यापारी, कवि, भक्त, मानव, प्राणी, इन सबमें है।

लड़ना ही जीवन का आधार होने से पश्चिम ने कहा Survival of the fittest, लेकिन अपने जीवन में लड़ना या संघर्ष जीवन का आधार न होने से संघर्ष के स्थान पर सहयोग आ गया है। वृक्ष और मनुष्य के जीवन में सहयोग है। जैसे शरीर के अवयवों में पूरकता है। वृक्ष मनुष्यों द्वारा छोड़ा हुआ कार्बन वायु शोषण करते हैं और मनुष्य उपयोगी प्राणवायु (oxygen) को बाहर फेंक देते हैं

समस्याएं विकार है

पाश्चात्य देशों में इन सबमें परस्पर विरोध है। विवाहोत्तर पत्नी और मां सास और बहू में झगड़ा प्रारंभ होने के पश्चात् वहां व्यक्ति के सामने किसका पक्ष लेना, ऐसी समस्याएं पैदा होती हैं। ऐसे संघर्षों को हमने जीवन का आधार माना नहीं, ये समस्याएं केवल विकार हैं, संस्कृति नहीं। शरीर में कुछ बिगाड़ होने से ही बीमारी आती है। इसी प्रकार ये संघर्ष हैं। विकार ही जीवन के आधार रूप में रखना योग्य नहीं। व्यक्ति और समाज में निर्माण हुआ विरोध, तो वह खराबी ही है। वह प्रकृति का विरोधी होगा। बच्चा और मां, इन दोनों में प्रेम, आत्मीयता नहीं रहती, यह जैसा अनैसर्गिक है, वैसा ही वह होगा।

अपना आधार संघर्ष नहीं, सहयोग है। संघर्ष दुष्टों के साथ राक्षसों के साथ मात्र। शरीर रोगों के साथ झगड़ता है। अवयवों के साथ संघर्ष नहीं। कुत्तों को एक स्थान पर खाने के लिए छोड़ा, तो झगड़ते हैं। कबूतर, चिड़ियां, इनमें समूह की प्रकृति होती है। ये झगड़ते नहीं। लड़ना ही जीवन का आधार होने से पश्चिम ने कहा Survival of the fittest, लेकिन अपने जीवन में लड़ना या संघर्ष जीवन का आधार न होने से संघर्ष के स्थान पर सहयोग आ गया है। वृक्ष और मनुष्य के जीवन में सहयोग है। जैसे शरीर के अवयवों में पूरकता है। वृक्ष मनुष्यों द्वारा छोड़ा हुआ कार्बन वायु शोषण करते हैं और मनुष्य उपयोगी प्राणवायु (व•लहमद) को बाहर फेंक देते हैं। मनुष्य की संस्कृति किसमें है? जीवन के लिए सब बातों का उपयोग ठीक ढंग से कर लेने में है। विकार को पूरक बनाना, अनुकूल बनाना, इसमें ही मनुष्य की संस्कृति है। जहर को भी दवा के रूप में उपयोग में लाना, यह प्रकृति की देन है।

समग्र विचार

इस प्रकार व्यक्ति की सब आनुषंगिक बातों का संपूर्ण विचार करने का सिद्धांत अपनाना है। पाश्चात्यों ने जीवन के केवल एक पक्ष को देखा है। एक व्यक्ति के स्वार्थ को लेकर हम चले नहीं, हम तो संपूर्णता का विचार करते हैं, जो चीज सामने आई, उसी को लेकर पाश्चात्य चले। इसमें गंभीर समग्र विचार नहीं। एक समय पर जो लागू होता है, वह सब समय में लागू नहीं होता। उनके विचार क्षणिक और तात्कालिक हैं। जैसे एक देहाती अपनी धूप में तपी खुरपी लेकर डॉक्टर के पास गया और कहने लगा कि उसकी खुरपी को बुखार है। डॉक्टर ने खुरपी को देखकर कहा, इसको रस्सी बांधकर बावड़ी में छोड़ दो। पानी में डुबोने से बुखार चला जाएगा। एक दिन उस देहाती की मां को बुखार आ गया, देहाती को वही इलाज याद था। वह डॉक्टर के पास नहीं गया और अपनी रोती–चिल्लाती मां के गले में रस्सी बांधकर बावड़ी में डुबो दिया। ऐसे ही पाश्चात्यों की स्थिति हो गई है। उन देशों में डार्विन, मार्क्स आदि ने जो सिद्धांत बताए, वे सब अर्धसत्य हैं। उन्होंने मनुष्यों के क्षुद्र तथा स्वार्थ भावों को ही उपोषित करने का प्रयास किया है। जिस प्रकार डाकू डाका डालते समय तो संगठित रहते हैं, लेकिन धन बांटते समय आपस में झगड़ते हैं। एक–दूसरे का गला घोंटने का प्रयास स्वार्थ के कारण करने से आधे डाकू या सब के सब नष्ट हो जाते हैं। केवल स्वार्थ का आधार लेकर समाज को संगठित किया तो वैभव की स्थिति प्राप्त होते ही संघर्ष होना संभव है।

कोई कार्य करने के लिए भगवान् ने इस सृष्टि में हर चीज़ निर्माण की है। अपना समाज भी किसी कारण से पैदा हुआ है। इसलिए उस प्रकृति की योजना को समझकर इस पर चलें। परस्पर विरोध करके नहीं, सहकारी बनकर हमें रहना है। शरीर में दो पैर हैं, दोनों के सहकार से शरीर आगे चलता है।

सब सृष्टि में वही बात दिखाई देती है। जिस उपेपवद को लेकर हम पैदा हुए हैं, उसको पूरा करने में हम सब सहयोग दें। इसमें संघर्ष नहीं आना चाहिए। पश्चिमी विचार और हमारे विचारों में अंतर है।

श्रद्धांजलि

'श्री गुरू जी' माधव सदाशिव राव गोलवलकर

(19 फ़रवरी, 1906 – 5 जून, 1973)

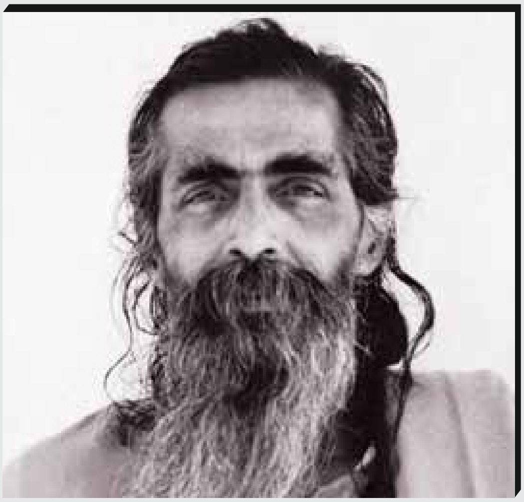

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक और महान विचारक श्री माधव सदाशिव राव गोलवलकर का जन्म 19 फ़रवरी, 1906 को महाराष्ट्र के नागपुर जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री सदाशिव राव उपाख्य 'भाऊजी' तथा माता का श्रीमती लक्ष्मीबाई उपाख्य 'ताई' था। उनका बचपन में नाम माधव रखा गया, पर परिवार में वे मधु के नाम से ही पुकारे जाते थे।

बालक मधु में कुशाग्र बुद्धि, ज्ञान की लालसा, असामान्य स्मरण शक्ति जैसे गुणों का समुच्चय बचपन से ही विकसित हो रहा था। सन् 1919 में उन्होंने 'हाई स्कूल की प्रवेश परीक्षा' में विशेष योग्यता दिखाकर छात्रवृत्ति प्राप्त की। सन् 1922 में 16 वर्ष की आयु में माधव ने मैट्रिक की परीक्षा चांदा (अब चन्द्रपुर) के 'जुबली हाई स्कूल' से उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् सन् 1924 में उन्होंने नागपुर से विज्ञान विषय में इण्टरमीडिएट की परीक्षा विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की। अंग्रेजी विषय में उन्हें प्रथम पारितोषिक मिला।

इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद माधवराव के जीवन में एक नये दूरगामी परिणाम वाले अध्याय का प्रारम्भ सन् 1924 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश के साथ हुआ। सन् 1926 में उन्होंने बी.एससी. और सन् 1928 में एम.एससी. की परीक्षायें भी प्राणि शास्त्र विषय में प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण की। उनका विद्यार्थी जीवन अत्यन्त यशस्वी रहा।

इसके पश्चात् बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से उन्हें निदर्शक पद पर सेवा करने का प्रस्ताव मिला। 16 अगस्त, 1931 को श्रीगुरुजी ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग में निदर्शक का पद संभाल लिया। अपने विद्यार्थी जीवन में भी माधव राव अपने मित्रों को मार्गदर्शन दिया करते थे और अब तो अध्यापन उनकी आजीविका का साधन ही बन गया था। अध्यापक के नाते माधव राव अपनी विलक्षण प्रतिभा और योग्यता से छात्रों में इतने अधिक अत्यन्त लोकप्रिय हो गये कि उनके छात्र उनको 'गुरुजी' के नाम से सम्बोधित करने लगे। इसी नाम से वे आगे चलकर जीवन भर जाने गये।

माधव राव यद्यपि विज्ञान के परास्नातक थे, फिर भी आवश्यकता पड़ने पर अपने छात्रों तथा मित्रों को अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, गणित तथा दर्शन जैसे अन्य विषय भी पढ़ाने को सदैव तत्पर रहते थे। यदि उन्हें पुस्तकालय में पुस्तकें नहीं मिलती थी, तो वे उन्हें खरीदकर और पढ़कर जिज्ञासी छात्रों एवं मित्रों की सहायता करते रहते थे। उनके वेतन का बहुतांश अपने होनहार छात्र–मित्रों की फीस भर देने अथवा उनकी पुस्तकें खरीद देने में ही व्यय हो जाया करता था।

श्रीगुरुजी ने अथक परिश्रम और निरंतर देश भ्रमण से लगभग 33 वर्ष तक इस पद पर रहते हुए संघ को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया और व्यक्ति निर्माण का महती कार्य संपादित किया

गुरुजी का अध्ययन व चिंतन इतना सर्वश्रेष्ठ था कि वे देश भर के युवाओं के लिए ही प्रेरक पुंज नहीं बने, अपितु पूरे राष्ट्र के प्रेरक पुंज व दिशा निर्देशक हो गये। वे युवाओं को ज्ञान प्राप्ति के लिए प्रेरित करते रहते थे। वे विदेशों में ज्ञान प्राप्त करने वाले युवाओं से कहा करते थे कि युवकों को विदेशों में वह ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, जिसका स्वदेश में विकास नहीं हुआ है। ज्ञान प्राप्त कर उन्हें शीघ्र स्वदेश लौट आना चाहिए।

सबसे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के द्वारा काशी हिंदू विश्वविद्यालय भेजे गए नागपुर के स्वयंसेवक भैयाजी दाणी के द्वारा श्री गुरुजी संघ के सम्पर्क में आये और उस शाखा के संघचालक भी बने। 1937 में वह नागपुर वापस आ गए। डॉ. हेडगेवार के सान्निध्य में उन्होंने एक अत्यंत प्रेरणादायक राष्ट्र समर्पित व्यक्तित्व को देखा। 1938 के पश्चात् संघ कार्य को ही उन्होंने अपना जीवन कार्य मान लिया। 1939 में श्री माधव सदाशिव गोलवलकर को संघ का सरकार्यवाह नियुक्त किया गया। 1940 में डॉ. हेडगेवार के देहावसान के बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक का दायित्व संभाला। उन्होंने अथक परिश्रम और निरंतर देश भ्रमण से लगभग 33 वर्ष तक इस पद पर रहते हुए संघ को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया और व्यक्ति निर्माण का महती कार्य संपादित किया। 5 जून, 1973 को श्री माधव सदाशिव गोलवलकर का स्वर्गवास हो गया। ■

उत्तर प्रदेश राज्य सभा हेतु निर्वाचित सांसदगण, बधाई!

रिपोर्ट टू नेशन, प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ

बूथ सशक्तिकरण अभियान, बहराइच

बूथ सशक्तिकरण अभियान, मुरादाबाद

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91 डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2021-23
जून प्रथम अंक 2022 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक : अरूण कान्त त्रिपाठी